



<b>SARAFI</b>	
सोना	: 14,610
चांदी	: 280.00
(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)	

### BRIEF NEWS

#### ट्रेलर में घुस गई कार महिला सहित 5 की मौत

**JAIPUR** : राजस्थान के जयपुर के चाकसू थाना इलाके में शनिवार सुबह सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा कोटा-जयपुर नेशनल हाईवे (एनएच-52) पर टिगरिया मोड़ के पास हुआ। कार चालक को झपकी आने का अंदेशा है जिससे यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक महिला समेत 4 लोगों की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को अस्पताल ले जाया जा रहा था। लेकिन उसने रास्ते में दम तोड़ दिया।

#### रणवीर सिंह को फिर मिली रंगदारी की धमकी

**MUMBAI** : बॉलीवुड फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह को फिर से रंगदारी के लिए धमकी भरा ऑडियो विलप मैसेज भेजा गया है। इस ऑडियो विलप की छानबीन मुंबई पुलिस कर रही है। इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि रणवीर सिंह को तीन मिनट के ऑडियो विलप के जरिए एक धमकी भरा मैसेज मिला है। रणवीर सिंह को मिला यह मैसेज बॉक्स से गैंगस्टर बने हरि चंद जाट उर्फ हैरी बॉक्सर द्वारा भेजा गया बताया जा रहा है। विलप में सिंह को धमकी देते हुए सुना जा सकता है कि अगर वे लाइन में नहीं रहे और उसकी मांगें पूरी नहीं कीं तो उनकी टीमों को गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

#### मणिपुर में 3 उग्रवादी धराए गोला-बारूद बरामद

**IMPHAL** : हिंसा प्रभावित मणिपुर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार करने के साथ हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है। वहीं, दूसरी ओर चोरी के घान को बरामद करने के साथ ही रायचों में वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने लिए भी पुलिस अभियान चला रही है। मणिपुर पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने इफाल वेस्ट और इफाल ईस्ट जिलों के अलग-अलग इलाके से कैसीपी (अपुर्वा) के दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

#### कई परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

### पीएम ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने पुल को राष्ट्र को किया समर्पित

**GUWAHATI @ PTI** : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। ब्रह्मपुत्र नदी पर बना एक पुल को उन्होंने राष्ट्र को समर्पित किया। इसके साथ ही भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) गुवाहाटी और पूर्वोत्तर क्षेत्र की जबरन को पूरा करने वाला एक डेटा केंद्र का भी उद्घाटन किया। उन्होंने सबसे पहले

#### नौकरशाही



#### डॉ. वजेश मिश्रा

लोकतंत्र के तीन स्तंभों के बीच समन्वय और संतुलन बहुत जरूरी है। दुर्भाग्यवश यह स्थिति हमेशा नहीं रहती। अलग-अलग वजहों से विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका आमने-सामने आ जाती हैं। कई बार अहं का टकराव इसकी बड़ी वजह होती है। चर्चा है कि झारखंड सरकार के एक महकमे में पिछले कुछ महीनों से ऐसी ही स्थिति बन गई थी। समस्या का निराकरण 'निवासन' के 'निर्वासन' से हुआ। आखिर क्या चल रहा है अंदरखाने, जाने द फोटोन न्यूज के एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

### गुरु स्नानघर से निकल रहे थे। झड़झड़ में बैठा देखकर आश्चर्य में पड़ गए। पूछा-अरे 'नारद मुनि' आप कब पधारे? उत्तर दिया- बस गुरु अभी-अभी आकर बैठा हूँ। गुरु बोले- चाय-पानी कीजिए, पूजा कर लौटता हूँ, फिर बात होगी। गुरु के लौटने तक चाय-पानी गंभीर नाश्टे में तब्यली हो चुका था। गुरु में एक बड़ी खासियत है कि वह 'अतिथि सत्कार' में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। सामने की टेबल पर बैठते ही गुरु ने सेवादर को ताकीद की। दो मिनट में दो ब्लैक कॉफी रख दी गई। गुरु ने पहली चुस्की के साथ दूसरा सवाल दागा- और बताइए, क्या चल रहा है 'मुहल्ले' में? गुरु के प्रश्न का उत्तर थोड़ा घुमाकर दिया, 'चल तो बहुत कुछ रहा है गुरु, समझ कुछ नहीं

### निवासन का निर्वासन!



फोटो : एआई जेनरेटेड

आ रहा। गुरु हंसते हुए बोले- समझा देंगे। गुरु के दावे हैं? आप बस कृत्य बताइए। कर्ता, कर्म और कारक हम समझा देंगे। गुरु के दावे आत्मविश्वास से भरे होते हैं। नौकरशाही वाले मुहल्ले में ऐसा कुछ नहीं था, जो उनकी नजर से अज्ञान रहे। यही वजह थी कि

### वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों के साथ सीएम की बैठक

# हर हाल में रोके हाथियों के हमले किसी की भी नहीं हो मौत : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI :

शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने अधिकारियों को जंगली हाथियों के हमलों को हर हाल में रोकने और आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि हाथियों के हमले से एक भी व्यक्ति की मौत न हो, यह वन विभाग सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वैसे प्रभावित क्षेत्र जहां हाथी लगातार जान-माल को क्षति पहुंचा रहे हैं, वहां बचाव व सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने हाथियों के बढ़ते हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले

#### लोगों के बचाव व सुरक्षा के लिए तत्काल उठाए जाएं प्रभावी कदम

ग्रामीणों को विशेष तकनीकी प्रशिक्षण देकर तैयार की जाए एलीफेंट रेस्क्यू टीम

लगातार हो रहे हमलों के कारण जान-माल की क्षति पर सीएम ने जताई चिंता

12 दिनों के भीतर सभी प्रभावित परामर्शों को मुआवजा देने का निर्देश



#### ग्रामीणों को उपलब्ध कराएं सामग्री

हेमंत ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि जिन क्षेत्रों में हाथियों द्वारा जान-माल को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उन इलाकों के ग्रामीणों को विशेष तकनीकी प्रशिक्षण देकर एलीफेंट रेस्क्यू टीम तैयार की जाए। ग्रामीण क्षेत्र से हाथी के विचलन को रोकने के लिए तत्काल उपाय किए जाएं। ग्रामीणों को मशाल जलाने के लिए डीजल और फिरोसिल तेल, पुराने टायर, टॉर्च, सोलर सायरन इत्यादि उपलब्ध कराए जाएं, ताकि ग्रामीणों को हाथी

भगाने में सहूलियत न हो सके। वन विभाग प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ बेहतर समन्वय के साथ जागरूकता अभियान और सुरक्षा के जरूरी उपाय करे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में बड़ी संख्या में हाथी विचलन करते हैं। जंगल के इलाकों से कुछ हाथी भटक कर ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं। वन विभाग इन हाथियों से ग्रामीणों को सुरक्षित करने के लिए कोई बेहतर मेकेनिज्म क्यों तैयार कर पाया है।

#### तैयार की जा रही विक्क रिस्पॉसिबल मेकेनिज्म

अधिकारियों ने कहा कि वन विभाग द्वारा जल्द हाथी रेस्क्यू हेतु एक बेहतर विक्क रिस्पॉसिबल मेकेनिज्म तैयार करने की योजना है। विभाग द्वारा 6 कुनकी हाथी मंगाए जा रहे हैं, जिसकी मदद से ट्रैकिंग सिस्टम में सहयोग मिल सकेगा। अधिकारियों ने कहा कि वन विभाग जल्द प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों को एलीफेंट रेस्क्यू हेतु विशेष प्रशिक्षण देगा। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि एलीफेंट रेस्क्यू सिस्टम को मजबूत बनाने को लेकर विभाग द्वारा एलीफेंट रेस्क्यू विशेषज्ञ की मदद भी ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जान-माल की क्षति पर मुआवजे की राशि पीडित परिवार को प्रदान करने में विलंब न हो।

कुछ दिनों में हाथियों के हमलों से सूचना मिली है। रामगढ़, बोकारो, लोहररदगा, गुमला, दुमका आदि बड़ी संख्या में कैजुअल्टी की हजारीबाग, चाईबासा, जमशेदपुर, जिला में हाथी के हमलों से पिछले

### छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटना, खड़े ट्रक के नीचे घुस गई तेज रफतार कार हादसे में पलामू निवासी सहित तीन जवान शहीद

PHOTON NEWS PLAMU :

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शनिवार को दोपहर में भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें कोबरा बटालियन-201 के तीन जवान शहीद हो गए। इनमें पलामू निवासी जवान कुमार भी शामिल हैं, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है। यह दुर्घटना अजुनी थाना क्षेत्र के ग्राम खपरी बाईपास के पास हुई। दुर्घटना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कार जैसे ही ट्रक के नीचे घुसी, कार की छत उखड़ गई। प्राप्त जानकारी के

#### चालक की भी मौत, एक गंभीर रूप से घायल, घटनास्थल पर मची अफरा-तफरी



अनुसार, कोबरा बटालियन के जवान जगदलपुर से रायपुर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी तेज

#### गैस कटर से निकाले गए शव

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस और राहत दल भी तुरंत पहुंचे और गैस कटर से कार को काटकर जवानों को बचाव निकाला गया। तीन जवानों व चालक को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल एक जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हादसे में शहीद हुए जवानों की पहचान

#### गैस कटर से निकाले गए शव

हेड कार्टेबल मुकेश कुमार (पलामू, झारखंड), एएसआई उमर सिंह, कार्टेबल राजकुमार गौड़ और सिविलियन चालक हीरा लाल नागर (पड़रिया, रीवा, मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। घायल जवान अभिमान राय (छत्तीसगढ़) का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि सभी जवान ड्यूटी से संबंधित कार्य के सिलसिले में रायपुर जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

गुरु नौकरशाह कम, पत्रकार अधिक लगते थे। गुरु ने रास्ता साफ कर दिया था, सो पहला सवाल पूछा- हालिया बदलाव में 'निवासन' का निर्वासन क्यों हो गया? गुरु ने एक वाक्य में उत्तर दिया- 'निवासन' 'श्रीहीन' हो गए थे। गुरु की जवाबी गैद सिर के ऊपर से निकल गई। बात समझने के लिए 'साधुगं दंडवत' एकमात्र विकल्प था। सो साफ कहा- समझे नहीं। गुरु बोले- जिस ग्राम विकास की अवधारणा पर 'माननीय' चलना चाहती थीं, सुना है 'निवासन' से क्रियान्वयन में बाधा आ रही थी। परम पांडित्य के बावजूद 'दीपिका' रोशन नहीं हो पा रही थी। अंधकार घना हो रहा था। कहने वाले तो यहाँ तक बताते हैं कि सामान्य दिनचर्या तक कठिन हो गई थी। लिहाजा, 'माननीय' ने अंधकार दूर करने के लिए

महाशक्ति का आह्वान किया। बलाने वाले दावा करते हैं कि करुण पुकार दरबार में स्वीकार हो गई। गठबंधन में गंठ न पड़े, इस बात को ध्यान में रखा गया। विचन-बाधा दूर की गई। सब कुछ इस तरह कि सांप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे। गुरु ने पहला अध्याय पूरा किया। कहा, सुनो, बदलाव की कहानी के प्रहंर अध्याय और हैं। अगर समय और सब्र हो तो सब बता दूँ। फिलहाल कहीं और निकलना है। सो, बाकी बात फिर कभी। अभी बस इतना समझ लो कि जरूरी नहीं कि एक तीर से एक ही शिकार हो। मौजूदा चक्र में 'माननीय' के मान और नौकरशाह के सम्मान दोनों की रक्षा हो गई है। गुरु तैयार होने दूसरे कक्ष में प्रवेश कर गए। यह निकलने का सही समय था। सो, घर के मंदिर में हाथ जोड़कर विदा लिया।

### बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पंचशूलों की विशेष पूजा शिखरों पर पुनर्स्थापना



PHOTON NEWS DEOGHAR :

रविवार को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी। इससे पूर्व शनिवार को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में परंपरागत पंचशूलों की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंदिर के शिखरों पर पंचशूलों की पुनर्स्थापना के साथ ही बाबा बैद्यनाथ और माता पार्वती का पारंपरिक 'गठबंधन' भी संपन्न हुआ। बैद्यनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी सह सरदार पंडा गुलाबनंद ओझा ने षोडशोपचार विधि से मंत्रोच्चार के साथ पंचशूलों का विधिवत शुद्धिकरण एवं पूजन कराया। यह पूजा बाबा बैद्यनाथ, मैया पार्वती सहित मंदिर प्रांगण के अन्य देवालयां के शिखरों से उतारे गए पंचशूलों के लिए की गई। पूजन के बाद सभी 22 मंदिरों के शिखरों पर पंचशूलों को वैदिक रीति-रिवाज के अनुसार पुनर्स्थापित किया गया।

मोलेनाथ और मां पार्वती का हुआ गठबंधन, आज पूजा के बाद खुलेगा मंदिर का पट

षोडशोपचार विधि से मंत्रोच्चार के साथ पंचशूलों का किया गया विधिवत शुद्धिकरण

### महाशिवरात्रि पर रांची के पहाड़ी मंदिर से निकलेगी शिव बारात, हेमंत होंगे शामिल

**RANCHI** : रविवार को महाशिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर पहाड़ी मंदिर से दोपहर तीन बजे भव्य शिव बारात निकाली जाएगी। शिव बारात आयोजन महासमिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दीप प्रज्वलित कर शिव बारात को रवाना करेंगे। उनके साथ सुबोधकांत सहाय, विधायक सीपी सिंह, कुणाल अजमानी, राजेश साहू एवं बादल सिंह सहित कई लोग मौजूद रहेंगे। प्रवक्ता बादल सिंह ने बताया कि इस वर्ष भगवान शिव कर्पूरगौर करुणावतार स्वरूप में अपने भूत-प्रेतों की टोली

के साथ नजर आएंगे। 51 माताएं दूहके के रूप में सजे भोलेनाथ का परछन एवं दिव्य आरती करेंगी। शिव बारात में राम-लक्ष्मण-सीता, राधा-कृष्ण और मां दुर्गा की झांकी आकर्षण का केंद्र होगी। भूत-प्रेतों की टोली तांडव नृत्य करते हुए बारात की शोभा बढ़ाएंगी। बारात पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार से निकलकर शनि मंदिर अपर बाजार, शहीद चौक, फिरावाला चौक, गांधी चौक, महावीर चौक और रातू रोड होते हुए पिरका मोड़ स्थित विद्यनाथ मंदिर पहुंचेगी, जहां सनातन विधि-विधान से भगवान शिव का विवाह संपन्न होगा।

### उपलब्धि लंबे समय तक रिसर्व के बाद नासा के वैज्ञानिकों ने डेवलप की टेक्नोलॉजी

# चांद पर मौजूद धूल से अंतरिक्ष यात्रियों को नहीं होगी परेशानी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

तेज हवाओं के साथ धरती पर उड़ती धूल लोगों को परेशान करने लगती है। अंतरिक्ष यात्री जब अंतरिक्ष की सैर करने निकलते हैं, तो उन्हें कई विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इन परिस्थितियों में चांद की सतह पर पाई जाने वाली धूल (रेगोलिथ) भी शामिल है। लंबे समय तक रिसर्व करने के बाद अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के वैज्ञानिकों ने इस समस्या को हल करने के लिए एक नई टेक्नोलॉजी डेवलप की है। गौरतलब है कि अगले मिशन के दौर में स्पेससूट खराब करने, उपकरणों को जाम करने और फेफड़ों तक को नुकसान पहुंचाने वाली चंद्र धूल से निपटने के लिए विकसित यह तकनीक इलेक्ट्रिकल एनर्जी की मदद से धूल को सतह से दूर उड़ा देती है। हाल ही में इंटरनेशनल जर्नल 'नेशनल ज्योग्राफिक' में प्रकाशित रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने बताया है कि पहले चंद्र पर कदम रखते ही जो धूल कभी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सबसे बड़ा खतरा मानी जाती थी, अब जल्द ही अतीत बन सकती है। नासा अब इस प्रणाली को और बेहतर बनाने में जुटा है, ताकि अंटिमिस मिशन के तहत चंद्र पर लंबे समय तक रहने, अधिक वैज्ञानिक प्रयोग करने और स्थायी मौजूदगी की राह आसान हो सके।

### इंटरनेशनल जर्नल 'नेशनल ज्योग्राफिक' में विस्तार से प्रकाशित की गई है रिपोर्ट इलेक्ट्रिकल एनर्जी की मदद से खतरनाक डस्ट को उड़ा देती है यह तकनीक

इस सिस्टम को अब और बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे विशेषज्ञ

स्पेससूट व उपकरणों को प्रभावित करने के साथ फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती है धूल

दो भौतिक बलों का होता है इस्तेमाल

वैज्ञानिकों के अनुसार, चांद की सतह पर मौजूद धूल साधारण मिट्टी नहीं है। यह नई टेक्नोलॉजी दो भौतिक बलों का इस्तेमाल करती है। एक बल समान विद्युत आवेश वाले कणों को एक-दूसरे से दूर धकेलता है, जबकि दूसरा बल धूल के कणों के भीतर अस्थायी ध्रुव बनाकर उन्हें विद्युत क्षेत्र से बाहर निकाल देता है। इन दोनों के संयुक्त प्रभाव से सतह धीरे-धीरे साफ हो जाती है।

ज्वालामुखीय पथरों के नुकिले कण चांद की सतह पर मौजूद धूल अरबों साल पुराने ज्वालामुखीय पथरों और कणों के बेहद महीन और नुकिले कणों से बनी हैं। ये माइक्रो मीट्रोरॉइट टक्करों से टूट-टूटकर तैयार हुए हैं। यह धूल हल्की सी हलचल या विकिरण मिलने पर विद्युत आवेशित हो जाती है और हवा में तैरने लगती है। यही कारण है कि यह अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेससूट, ऑजगैरो और उपकरणों से गोंद की तरह चिपक जाती है। अंतरिक्ष यात्रियों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने 'इलेक्ट्रोडायनामिक डस्ट शील्ड' यानी ईडीएस विकसित किया है। यह एक पारदर्शी परत होती है, जिसमें बेहद पतले इलेक्ट्रोड लगे होते हैं। इन्हें कैमरा लेंस, सोलर पैनल, थर्मल रेडिएटर या स्पेससूट के कपड़े तक में जोड़ा जा सकता है। रिसर्व ऑन करते ही यह प्रणाली विद्युत क्षेत्र बनाती है, जो चिपकी हुई धूल को सतह से दूर उड़ा देती है।

### वित्त विभाग ने सभी विभागों को जारी किए दिशा-निर्देश अपलोड करें उपलब्धियां, योजनाएं व प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी

PHOTON NEWS RANCHI :

24 फरवरी को हेमंत सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट विधानसभा में पेश करेगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर बजट पेश करेंगे। बजट भाषण की तैयारी को लेकर वित्त विभाग की ओर से सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग के संयुक्त सचिव-सह-बजट पदाधिकारी द्वारा जारी पत्र में सभी अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव एवं विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया है कि अपने-अपने विभागों की उपलब्धियां, योजनाएं एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों से संबंधित सामग्री जल्द ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड

वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट 24 फरवरी को विधानसभा में किया जाएगा पेश

फॉर्म-3ए में डेटा अपलोड करने के लिए दिए गए लॉगिन विवरण का ही करना है उपयोग



## मैं देखूँ जिस ओर सखी री!

गुमनाम है कोई...

राज खोसला- साधना की रहस्य त्रयी की आखिरी फिल्म : अनीता

कविता



रितुकुमार शुक्ल

कैसे

कैसे लिखूँ कि तुम्हारी याद आती है मुझे डर है कि मेरे शब्द नाकाफी हैं कि कोई पढ़ न ले मेरे शब्द जो इतने पवित्र हैं कि किसी और छूने भर से मुरझा जाएंगे मुझे ईजाद करनी है एक जादुई भाषा जो सिर्फ तुम कहो मैं समझूँ और तुम कहो भी ना तो मैं समझ लूँ जैसे कि मैं कहूँ कि मेरे आँगन के सेब के पेड़ों में लग गए हैं फूल और तुम समझ लो कि मैं प्यार के बारों में लिख रहा हूँ मैं कहूँ कि वो हर हिलती हवा के साथ खिलखिलाते हैं तो तुम समझ लो कि तुम्हारी हँसी की याद आती है जैसे तुम कहो कि पक गए हैं तुम्हारे माथे के बाल और मैं समझूँ कि तुम्हें नींद नहीं आती मेरे बिन जैसे मैं कहूँ कि गिर रहे हैं मेरे बाल और तुम समझो कि जैसे गिरते बाल बेमानी है अंतहीन यात्रा में वैसे है हर दिन तुम बिन रहना सुनो जब कुछ कह न पाओ तुम बस कह देना कि आम में आ गए हैं बार मैं समझ जाऊँगा कि तुमने मुझे याद किया है।

वर्ष 1967 में आई मनोज कुमार और साधना अभिनीत फिल्म अनीता, उस रहस्य त्रयी की आखिरी फिल्म है जो जाने माने निर्देशक राज खोसला ने सन् 1960 के दशक में बनाई थीं। इस त्रयी की पहली दो फिल्मों, 'वो कौन थी' और 'मेरा साया' इससे पहले सफलता के नए आयाम गढ़ चुकी थीं। अगर मेरा साया और वो कौन थी से तुलना की जाए तो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन कमजोर था और फिल्म असफल रही थी, पर इस फिल्म में भी साधना के अभिनय की खूब तारीफ की गई थी। फिल्म की कथा यह है कि नीरज (मनोज कुमार) और अनीता (साधना) एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं और शादी करना चाहते हैं, लेकिन अनीता के करोड़पति पिता बिहारी लाल (सज्जन) को यह मंजूर नहीं है, क्योंकि नीरज एक साधारण नौकरी करता है और अनीता करोड़पति है। जब उसके पिता नीरज से उसकी शादी को नामंजूर कर देते हैं, तो अनीता नीरज से मिलने जाती है और उससे सिविल मैरिज करने का अनुरोध करती है। जब दोनों कोर्ट पहुँचते हैं, तो उसके पिता वहाँ आ जाते हैं और उसे अपनी इच्छा के विरुद्ध शादी करने के गंभीर परिणामों की चेतावनी देते हैं। अनीता अपने पिता की इच्छा का सम्मान करती है और कोर्ट से बिना शादी किए वापस लौट आती है। अनीता के पिता चाहते हैं कि उसकी शादी अनिल शर्मा (किशन मेहता) से हो, अनिल खुद को एक बड़े व्यवसायी के रूप में दर्शाते हुए बिहारी लाल को प्रभावित कर चुका है। इधर नीरज जब अनीता से बात करने की कोशिश करता है, तो वह उसे अपने जीवन में वापस न आने के लिए कहती है। प्रेम में टूटे नीरज को जल्द ही अनीता का एक पत्र मिलता है, जिससे उसके मन में संदेह पैदा होता है। वह उससे मिलने जाता है, लेकिन उसे पता चलता है कि उसने आत्महत्या कर ली है। नीरज को कुछ गड़बड़ लगती है और वह खुद सच्चाई का पता लगाने का फैसला करता है। नीरज को अनीता ठीक उसी जगह दिखती है जहाँ उसने कथित तौर पर आत्महत्या की थी। नीरज का दोस्त उसे छुट्टी पर जाने और उस घटना को भूलने की सलाह देता है। छुट्टी के दौरान, एक पिकनिक में, नीरज को अनीता फिर से भगवा वस्त्र पहने साध्वी माया के रूप में दिखाई देती है। नीरज को पता चलता है कि उसने माया जोगन (जिसका किरदार भी साधना ने निभाया है) को देखा था, जिसकी मृत्यु 20 साल पहले हो गई थी। ट्रेन के एक डिब्बे में उसे अनीता फिर से दिखाई देती है। इस लुका-छिपी के खेल की तमाम



सारी साजिशों के पदाफाश के लिए क्या-क्या किया जाता है और कैसे-कैसे किया जाता है, यह जानने का सबसे बढ़िया तरीका है यह फिल्म देखना। फिल्म के निर्देशक राज खोसला शास्त्रीय संगीत में शिक्षित थे और उन्होंने अपनी शुरुआत ऑल इण्डिया रेडियो (आकाशवाणी) से की। बाद में देवानंद की सलाह पर महान फिल्मकार गुरुदत्त के सहायक बन गए। उनके गुरु गुरुदत्त ने उन्हें पहली बार मिलाप (1952) का निर्देशन करने की जिम्मेदारी दी। फिल्म चली नहीं, पर उन पर भरोसा कायम रखते हुए गुरुदत्त ने उन्हें फिल्म सीआईडी (1954) के निर्देशन का जिम्मा दिया। फिल्म बहुत सफल हुई और इसके बाद राज खोसला ने फिर पीछे मुड़ कर नहीं देखा। साधना को 'मिस्ट्री गर्ल' की उपाधि से नवाजने वाली रहस्य त्रयी की यह आखिरी फिल्म, त्रयी की पहली दो फिल्मों के मुकाबले कमजोर फिल्म मानी जाती है और कुछ एक आलोचक इसे हिचकॉक की 1958 में रिलीज फिल्म 'वर्टिगो' से प्रेरित मानते हैं। इस फिल्म की पटकथा जी आर कामथ और संवाद चंद्रकांत ने लिखे थे। आरजू लखनवी, आनंद बक्शी और राजा मेहदी अली खान के लिखे गीतों को लक्ष्मीकान्त-



प्यारेलाल की जोड़ी ने संगीत से संवारा था और गीतों को स्वर दिये थे उषा मंगेशकर, लता मंगेशकर और मुकेश ने। मैं देखूँ जिस ओर सखी री, गोरे गोरे चाँद से मुख पे, ना बाबा ना बाबा पिछवारे बुझू खोसला जैसे कर्णप्रिय और लोकप्रिय गीतों और बेहतरीन संवाद अदायगी वाली इस फिल्म का जो मुख्य आधार था, इस फिल्म की कहानी या यूँ कहें प्लॉट, उसमें कोई न्यूनता नहीं थी। एक नायिका का गायब हो जाना, हमशकल का दिखना, भूत वगैरह का डर और अंत में सुखांत यानि नायक और नायिका का मिलन - इस एक रसिपी को अपने दर्शकों के सामने दो अलग-अलग फिल्मों में राज खोसला पहले



वैभव मणि त्रिपाठी



SCAN ME

- हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियाँ देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
- आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

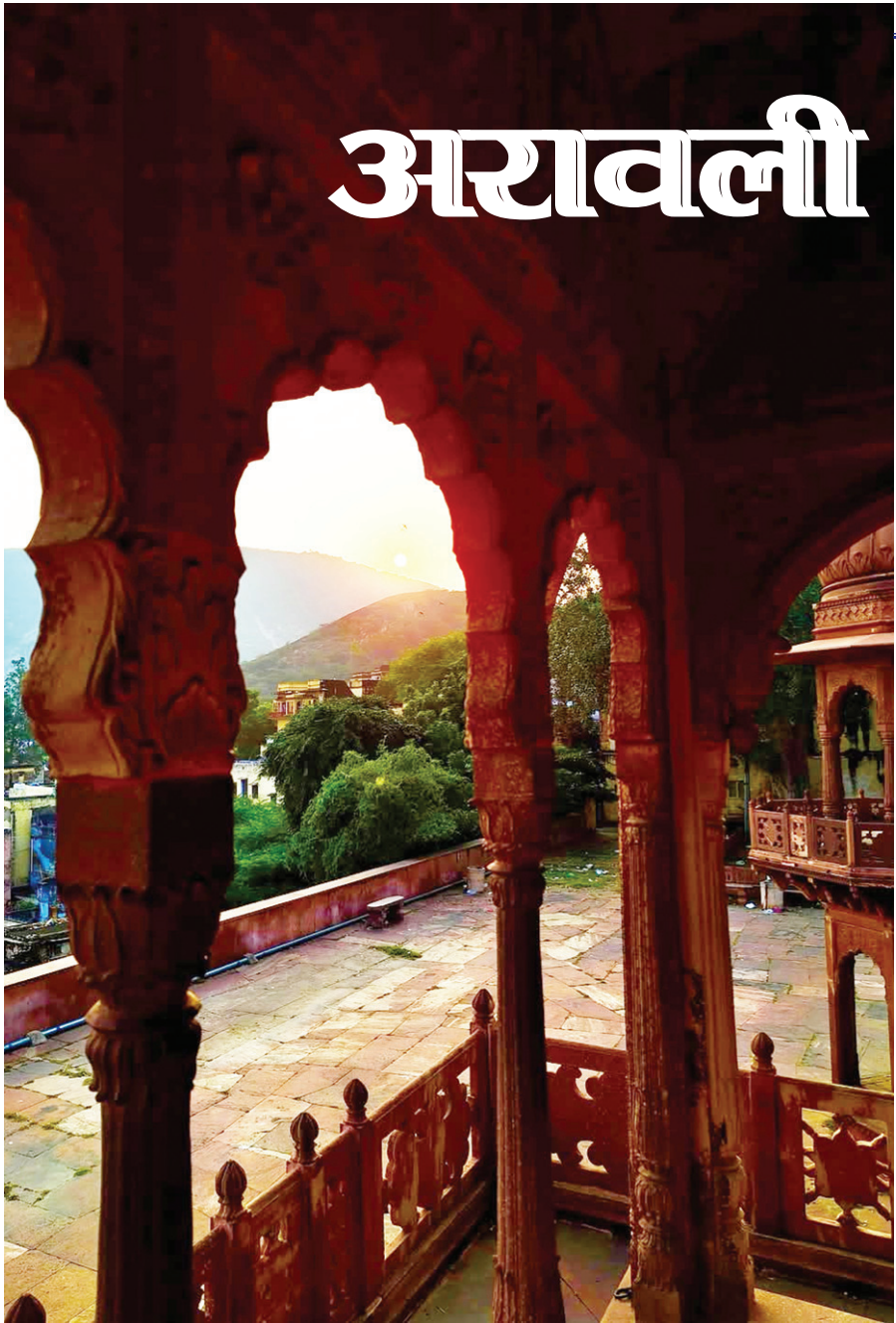


ही परोस चुके थे। दर्शकों के लिए नए गीतों के अतिरिक्त फिल्म में ना कोई नया रोमांच था, ना कोई नई संभावना हिन्दी सिनेमा में पहली बार भले राज खोसला साहब ने स्थिर पर्सनेलिटी डिजाइंडर जैसी मानसिक अवधारणा के रेफरेंस प्रयोग किए थे पर दर्शक जानते हैं कि ये रेफरेंस भी सिर्फ कहानी में रहस्य और रोमांच बनाये रखने के टूल्स ही थे और फिल्म में इस समस्या के लिए कोई स्पष्ट स्वर अभिव्यक्त नहीं होता था। शायद इस फिल्म की असफलता थी या इस प्रकार की कहानियों को नए तरीके से कहने का चैलेंज, राज खोसला अनीता की असफलता के बाद प्रेम कहानियों और शुद्ध मनोरंजन की ओर मुड़ गए और उनके निर्देशन में कच्चे धागे, शरीफ बदमाश, मेरा गाँव मेरा देश, मैं तुलसी तेरे आँगन की जैसी फिल्में आईं और अगले दो दशकों तक भारतीय दर्शकों ने उन्हें सर आँखों पर छिटाए रखा। अनीता फिल्म की कोई भी चर्चा अधूरी

होगी अगर मनोज कुमार और साधना के सशक्त अभिनय के साथ ही हम मुकरी, धूमल, चाँद उस्मानो, बिलबल, हेलेन, बेला बोस और आई एस जौहर जैसे अदाकारों की सधी हुई अदाकारी की चर्चा ना करें। अनीता देखने वाले दर्शकों को फिल्म में व्योतिषी की भूमिका निभाने वाले अदाकार उल्हास के विषय में एक रोचक तथ्य जानना चाहिए। 1913 में अजमेर में जन्में उल्हास का असली नाम एम. एन. कौल था और वो एक कश्मीरी पण्डित परिवार से आते थे। उनकी मृत्यु 1969 में हो गई थी परंतु उनके अभिनय से सजी फिल्में अस्सी के दशक के शुरुआती वर्षों तक रिलीज होती रहीं। वर्ष 1982 में प्रदर्शित यश चोपड़ा की फिल्म सवाल को उनकी आखिरी फिल्म माना जाता है। अनीता यूट्यूब सहित विभिन्न स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर देखने के लिए उपलब्ध है। और साधना के सशक्त अभिनय और बेहतरीन गीतों के लिए देखी जानी चाहिए।

## अरावली की छांव में बसा अलवर

घुमकड़ की पाती



राजस्थान के मानचित्र पर अलवर एक ऐसा नाम है, जो अक्सर अनदेखा रह जाता है। जयपुर और दिल्ली के बीच बसे इस नगर को लोग रास्ते में पड़ने वाली एक जगह समझकर आगे बढ़ जाते हैं, पर मेरी यह तीन दिन की यात्रा उसी चुप्पी को सुनने की कोशिश थी। दिल्ली से चलकर जैसे ही ट्रेन अलवर के स्टेशन पर रुकी, मुझे हवा में एक अलग-सी ऐतिहासिक गंध महसूस हुई। ऐसा लगा जैसे समय यहाँ तेजी से नहीं, बल्कि सोच-समझकर चलता हो। प्लेटफॉर्म से बाहर निकलते ही अरावली की पहाड़ियाँ दूर-दूर तक फैली दिखीं, मानो शहर को अपनी बाहों में घेरे खड़ी हों। मेरी इस यात्रा का उद्देश्य पूरी तरह से अपरिभाषित था। इसकी वजह से पहला दिन कुछ दोस्तों से मिलने और इस जगह के परिचय से शुरू हुआ।

सुबह मैंने अलवर की गलियों में खुद को छोड़ दिया। पुरानी इमारतें, पोले-गुलाबी रंग की दीवारें और छोटे-छोटे बाजार किसी पुराने चित्र की तरह मेरे सामने थे। दोपहर होते-होते एक दोस्त के सुझाव पर मैं अलवर सिटी पैलेस पहुँचा। यह महल बाहर से जितना सादा दिखता है, भीतर उतना ही गहरा और गंभीर है। इसकी दीवारों पर लगे आईने, मेहराबों की बनावट और आंगन की खामोशी। यह सब कुछ राजसी वैभव से ज्यादा एक गुजरे हुए समय के ठहराव की कहानी कहते हैं। यहाँ घूमते हुए लगा कि सत्ता और शान भी अंततः मौन में ही जाकर विश्राम पाते हैं। दूसरे दिन की सुबह मेरे कदम उसी प्रहरी



संजय शेखर नई दिल्ली

की ओर बढ़े। बाला किला तक पहुँचने का रास्ता घुमावदार और चढ़ाई भरा है। जैसे-जैसे ऊँचाई बढ़ती है, शहर नीचे सिमटता चला जाता है। किले की दीवारों को छूते ही इतिहास हाथों में उतर आता है। यह किला दिखावे के लिए नहीं बना; यह रणनीति, सुरक्षा और धैर्य का प्रतीक है। ऊपर से अलवर को देखने पर समझ आता है कि क्यों इस स्थान को सदियों तक महत्वपूर्ण माना गया। हवा तेज थी और उस हवा में किसी पुराने युद्ध का शोर भी घुला हुआ-सा लगा। कुछ पल आँखें बंद कर खड़ा रहा, मानो समय ने मुझे पीछे खींच लिया हो। किले से लौटते समय रास्ते में कुछ बच्चे पतंग उड़ा रहे थे। आसमान में रंगीन पतंगें और नीचे सदियों पुराना किला। यह दृश्य अलवर की आत्मा जैसा था, जहाँ अतीत

शहर गतिमान, पहाड़ स्थिर

शाम ढलने लगी तो शहर का रंग बदलने लगा। बाजारों में चहल-पहल बंद गई। कचौड़ी और दूध की जलेबी की खुशबू हवा में तैर रही थी। मैंने एक छोटी-सी दुकान पर बैठकर चाय पी और दुकानदार से बातों-बातों में अलवर के बदलते मिजाज और स्वाद के बारे में जाना। इस जगह पर उगने वाली जैविक सब्जियों की

और वर्तमान एक-दूसरे से टकराते नहीं, साथ चलते हैं। दोपहर बाद मैंने शहर के एक पुराने मोहल्ले में घूमते हुए कई हवेलियाँ देखीं, जिनकी खिड़कियाँ अब भी बाहर झाँकती हुई लगती हैं, जैसे किसी के लौटने का इंतजार कर रही हों। तीसरा दिन शहर से बाहर ले गया, प्रकृति की ओर। सुबह-सुबह मैं सरिस्का टाइगर रिजर्व के लिए निकला। जैसे ही जंगल का इलाका शुरू हुआ, शहर की आवाजें पीछे छूटने लगीं। यहाँ अरावली की पहाड़ियाँ और घने जंगल एक अलग ही संसार रचते हैं। जीप की धीमी गति के साथ-साथ मेरी साँसें भी धीमी हो गईं। सरिस्का केवल बाघों के लिए नहीं जाना जाता; यह एक मौन वन है, जहाँ हर पेड़, हर चट्टान और हर पगडंडी कुछ कहती जान पड़ती है। हमें बाघ तो नहीं दिखा पर हिरणों की फुर्ती, मोरों की आवाज और जंगल की गहरी शांति ने किसी कमी का अहसास नहीं होने दिया। जंगल के भीतर एक प्राचीन मंदिर के अवशेष दिखे। वहाँ खड़े होकर लगा कि मनुष्य ने यहाँ भी आस्था और अस्तित्व के निशान छोड़े हैं। सरिस्का में समय अलग ढंग

से बहता है। यहाँ घड़ी नहीं, घड़कन चलती है। लौटते समय मैंने महसूस किया कि अलवर को समझने के लिए केवल महल और किले काफी नहीं; उसके जंगल भी उतने ही जरूरी हैं। शाम को वापस शहर पहुँचा तो मन में एक अजीब-सी तृप्ति थी। तीन दिन पहले देखा यह शहर अब अपरिचित नहीं रह गया था। अलवर ने मुझे शोर नहीं दिया, बल्कि ठहराव दिया। यह यात्रा किसी तेज रोमांच की नहीं थी; यह धीरे-धीरे भीतर उतरने वाली अनुभूति थी। यहाँ इतिहास किताबों में नहीं, गलियों और पहाड़ियों में साँस लेता है। अलवर से विदा लेते समय मैंने आखिरी बार पीछे मुड़कर देखा। अरावली की पहाड़ियाँ अब भी वहीं थीं। पूरी तरह से विश्र, धैर्यवान और गुंजायमान हुए समय की साक्षी बनकर। मुझे लगा कि यह शहर उन लोगों के लिए है, जो केवल देखने नहीं, सुनने भी आते हैं। अलवर मेरी यात्रा-सूची में एक नाम भर नहीं रहा; यह अब मेरे भीतर एक शक्ति, गंभीर और भरोसेमंद स्मृति बन चुका था। ठीक वैसा ही, जैसा कोई पुराना दोस्त, जो ज्यादा बोलता नहीं, पर हमेशा साथ खड़ा रहता है।

**BRIEF NEWS**

**जेएसएलपीएस ने शुरू की विस्तारीकरण की प्रक्रिया**

**RANCHI :** झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) ने अल्ट्रा पुअर प्रेजुएशन मॉडल के विस्तारीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जनवरी में अमेरिका एवं भारत से आए संयुक्त प्रतिनिधिमंडल द्वारा कार्यक्रम की सराहना एवं दिए गए सुझावों के आधार पर जेएसएलपीएस ने उपाज एवं फूलो-ज्ञानो आशीर्वाद अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त अति-वंचित परिवारों को शामिल करने की कार्ययोजना तैयार की है। हाल ही में आयोजित अतिरिक्त समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने कहा कि अल्ट्रा पुअर प्रेजुएशन पद्धति के माध्यम से विशेष रूप से पीवीटीजी परिवारों में आजीविका, पोषण, वित्तीय साक्षरता और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से देखे रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि मॉडल के प्रभाव का दस्तावेजीकरण कर इसे राज्य के अन्य आकांक्षी एवं सुदूरवर्ती प्रखंडों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए।

**निर्मूर्ति शिव महोत्सव के दूसरे दिन शिव कथा आयोजित**

**RANCHI :** ब्रह्मकुमारी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित निर्मूर्ति शिव जयंती महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को कांके स्थित पिठोरिया में दो दिवसीय 12 ज्योतिर्लिंग मेला सह शिव कथा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से गांव में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है और युवाओं को संस्कारों से जुड़ने का अवसर मिलता है। महिला, बुजुर्गों और युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। पूजा परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंज उठा।

**पुलिस ने चोरी के तीन मामलों का किया खुलासा, दो गिरफ्तार**

**RANCHI :** रांची के नामकुम थाना की पुलिस ने चोरी के तीन मामलों का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान फिरोदस अली और दिलीप सोनी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से गलावा हुआ सोना पत्तर (दो पीस), एक क्वॉइल, लगभग 15.40 ग्राम वजनी टूटा-फूटा स्क्रैप, 10 बड़े और चार छोटे अंगूठी, एक मंगलसूत्र का लॉकेट, सात नथिया तथा 23.10 ग्राम वजनी एक दोलना बरामद किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रवीण पुकर ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि नामकुम थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई चोरी की घटनाओं के मद्देनजर वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी साध्य, आसूचना और संचिध अपराधियों के सत्यापन के आधार पर तीनों चोरी के मामलों का खुलासा किया।

**स्वास्थ्य**

**प्रेग्नेंसी के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतना जरूरी**

**PHOTON NEWS RANCHI :** उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान, इलाज और रेफरल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रांची सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में किया गया। यूनिसेफ और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि प्रसव पूर्व जांच के दौरान ही उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान करने के लिए नियमित बीपी, शुगर, एचआईवी, एसटीडी जांच, अल्ट्रासाउंडोग्राफी इत्यादि जांच जरूर कराई जानी चाहिए। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार

**रांची नगर निगम कर रहा भवनों की रैंडम जांच, सेल्फ असेसमेंट में दी गई जानकारी में मिल रही गड़बड़ी करा लें अपने भवन का री-असेसमेंट, नहीं तो टैक्स के साथ भरना होगा 10 साल का जुर्माना**

**VIVEK SHARMA RANCHI :**

रांची नगर निगम ने होल्डिंग टैक्स को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। वहीं पूरे शहर के लिए एक प्लान भी रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने तैयार किया है। जिसके तहत भवनों की रैंडम जांच शुरू कर दी गई है। जिसमें भारी गड़बड़ियां सामने आई है। सेल्फ असेसमेंट के तहत निगम को सही जानकारी नहीं दी गई है। जिससे कि निगम को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। अब नगर निगम ने लोगों को री-असेसमेंट कराने को कहा है। जिससे कि लोग भारी भरकम जुर्मानों से बच सकते हैं। वहीं निगम की टीम असेसमेंट के लिए पहुंचती है और गड़बड़ी पाई जाती है तो 100 परसेंट फाइन वसूला जाएगा। इतना ही नहीं पूरे 10 साल टैक्स एक साथ भरना होगा। इससे बचने के लिए लोग खुद से या फिर निगम के कर्मियों को बुलाकर री-असेसमेंट करा सकते हैं।

**भवनों की विस्तार करने के बाद नगर निगम में मालिकों ने नहीं कराया अपडेट रेसिडेंशियल भवन का कर रहे कॉमर्शियल इस्तेमाल तो भरना होगा ज्यादा टैक्स**

**मिल रही कई तरह की त्रुटियां**

निगम के एक अधिकारी ने बताया कि जिन भवन मालिकों ने अपने भवन का विस्तार कराया है, लेकिन निगम के रिकॉर्ड में उसे अपडेट नहीं कराया है। जांच में ये चीजें सामने आ रही हैं। संबंधित मालिक पर 10 वर्षों तक का बकाया टैक्स और पेनाल्टी वसूली जा सकती है। यह कार्रवाई नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जाएगी। साथ ही बताया कि जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि कई लोग अपने भवन को रेसिडेंशियल श्रेणी में दिखाकर कम टैक्स जमा करा रहे हैं, जबकि उसका उपयोग कॉमर्शियल एक्टिविटी के लिए किया जा रहा है। निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि रेसिडेंशियल भवन का कॉमर्शियल इस्तेमाल पाया गया, तो उस पर व्यावसायिक दर से टैक्स वसूला जाएगा जो सामान्य आवासीय कर से अधिक होता है।

**सवा दो लाख से अधिक हाउस होल्डर हैं निगम में रजिस्टर्ड**



**सही जानकारी देकर पेनल्टी से बचें**

अधिकारियों का कहना है कि सेल्फ असेसमेंट सिस्टम का उद्देश्य था कि लोग खुद से अपने भवनों की नापी कराकर उसके हिसाब से टैक्स जमा करा दें। लेकिन जांच में तो हजारों फीट की जानकारी छिपाने के केस सामने आए हैं। कई मामलों में गलत जानकारी देकर टैक्स की चोरी की कोशिश की गई है। इसी को देखते हुए अब फील्ड वैरिफिकेशन और भौतिक निरीक्षण तेज कर दिया गया है। इसलिए लोग खुद से निगम में आवेदन देकर सही जानकारी दें। जिससे कि वे पेनल्टी से बच सकते हैं।

**सही आकलन होने के बाद राजस्व में होगी वृद्धि**

रांची नगर निगम में वर्तमान में सवा दो लाख से अधिक हाउस होल्डर पंजीकृत हैं। 53 वार्डों में भवनों के अलावा खाली जमीन और धार्मिक स्थलों को भी होल्डिंग जारी किया गया है। निगम के अधिकारी ने बताया कि यदि सभी होल्डिंग का सही आकलन हो जाए तो राजस्व में वृद्धि हो सकती है। जिससे कि शहर के विकास कार्यों में सुधार किया जा सकेगा। निगम ने भवन मालिकों से अपील की है कि वे खुद से अपने भवन का री-असेसमेंट कराएं। अगर उन्होंने किसी भी प्रकार के निर्माण विस्तार या उपयोग परिवर्तन किया है तो इसका सूचना ऑनलाइन पोर्टल या निगम कार्यालय में दें। चूंकि नगर निगम की यह कार्रवाई आने वाले दिनों में और तेज की जाएगी। जिससे कि जानकारी छिपाकर टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

**बकाया किराया नहीं देने पर तीन दुकानें सील**

**RANCHI :** रांची नगर निगम ने बकाया किराया नहीं चुकाने वाले तीन लाइसेंसधारियों की दुकानों को सील कर दिया है। निगम प्रशासन के अनुसार अपर बाजार टीन गोला में धर्मचन्द्र सतीश कुमार की 1158 वर्गफुट आवंटित दुकान पर 4,39,056 रुपये बकाया था। तीन बार नोटिस और दुकान खाली करने का पत्र जारी करने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद निगम की टीम ने दुकान सील कर दी। वहीं मधुकुम खागदा क्षेत्र में आलोक कुमार पर 3,70,156 रुपये बकाया रहने के कारण आवंटित दुकान सील की गई। रातू रोड मार्केट कॉम्प्लेक्स में प्रथम तल पर ब्रज किशोर पाण्डे की दुकान पर 3,22,790 रुपये बकाया था, जिसे पूर्व में तीन नोटिस जारी करने के बाद सील किया गया। नगर निगम ने सभी आवंटनधारियों से समय पर किराया जमा करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है। भुगतान नहीं होने की स्थिति में झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत कार्रवाई की जाएगी।



**100 परसेंट हो डोर टू डोर कलेक्शन**

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को लेकर अपर प्रशासक संजय कुमार की अध्यक्षता में बैठक की। बैठक में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की शत-प्रतिशत व्यवस्था सुनिश्चित करने, बीट प्लान के सख्त अनुपालन और सभी वार्डों में ऑन-फील्ड मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर व व्यावसायिक प्रतिष्ठान में हरा और नीला डस्टबिन अनिवार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से सीसीटीवी निगरानी कर गंभीर फैलाव वाली पर जुर्माना लगाने का निर्णय लिया गया है।

**बाबूलाल ने निकाय चुनाव में केंद्रीय बल को तैनात करने की उदाई आवाज**

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने निकाय चुनाव को लेकर निर्वाचन आयुक्त से केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती और सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 23 फरवरी को राज्य के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में मतदान होना है। लेकिन, अब तक मतदान केंद्रों, स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थलों पर केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्णय नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने पर बूथ केफरिंग और बोगस मतदान की आशंका है। उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में इवीएम के बावजूद सीसीटीवी लगाए जाते रहे हैं, ऐसे में निकाय चुनाव में यह व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में 13 फरवरी को सौंपे गए ज्ञापन का हवाला देते हुए उन्होंने निष्पक्ष



- हेमंत सरकार पर पुलिस व एसीबी के दुरुपयोग का लगाया आरोप
- 23 फरवरी को राज्य के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में होगा मतदान

और भयमुक्त चुनाव की मांग की। उन्होंने राज्य पुलिस प्रशासन पर जनता का भरोसा कमजोर होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों पर ही सवाल उठ रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर पुलिस और एसीबी के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट की दिष्णगी से राज्य में एसीबी और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले छह वर्षों में राजनीतिक विरोधियों को दबाने और फर्जी मुकदमों में फंसाने के लिए एसीबी, सीआईडी और झारखंड पुलिस का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

**झारखंड प्रशासनिक सेवा के 17 अफसर बनेंगे आईएस, 16 को होगी बैटक**

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड प्रशासनिक सेवा (जेएसएस) के 17 अधिकारियों के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) में पदेनति का रास्ता साफ हो गया है। वर्ष 2024 की रिक्तियों के विरुद्ध इन अधिकारियों को आईएसएस में प्रोन्नति का अवसर मिलेगा। इस संघर्ष में यूनिचन पब्लिक सर्विस कमिशन ने 16 फरवरी को शाम 4:30 बजे नई दिल्ली में चयन समिति की बैठक बुलाई है। बैठक में झारखंड के मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव, राजस्व पर्यटन सहायक सचिव अन्य वरीय अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में राज्य सरकार द्वारा भेजे गए नामों पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा संबंधित अधिकारियों का साक्षात्कार भी

लिया जाएगा। केंद्र सरकार से रिक्तियों की स्वीकृति मिलने के बाद राज्य सरकार ने 1:3 अनुपात के तहत 51 अधिकारियों के नाम आयोग को भेजे हैं। बैटक में इन नामों में से 17 अधिकारियों के नामों पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। बैटक में सहमति बनने के बाद कार्मिक मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पदेनति की अधिसूचना जारी की जाएगी। बताया गया है कि अधिकारियों के नामों का चयन उनके गोपनीय चरित्र विवरण (एससीआर/एपीएआर) तथा सेवा अभिलेखों के मूल्यांकन के आधार पर किया गया है। यदि प्रक्रिया नियमानुसार पूरी होती है तो जल्द ही झारखंड को 17 नए आईएसएस अधिकारी मिलेंगे।

**डीजीपी को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच और न्याय की लगाई गुहार**

**युवक को गोली मारने को परिजनों ने बताया फर्जी एनकाउंटर, मांडर थाना क्षेत्र की वारदात**

**PHOTON NEWS RANCHI :** रांची जिले के मांडर थाना क्षेत्र के बास्की गांव में हुए कथित पुलिस एनकाउंटर को लेकर परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घायल युवक इशिताक अंसारी के परिजनों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताया है। उच्चतरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। डीजीपी को लिखे पत्र में परिजनों ने न्याय की गुहार लगाई है। बताया है कि इस संबंध में मांडर थाना कांड संख्या-08/2026 और कोतवाली थाना कांड संख्या 30/2026 दर्ज है। शिकायत में उन्होंने लिखा कि पुलिस के अनुसार काला रंग की बोलियों में सवार व्यक्तियों का कचहरी चौक पर किन्नरों के साथ विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान बंटी और अभिषेक नामक युवकों को वाहन से टक्कर मारकर घायल कर दिया गया तथा बंटी को जबरन गाड़ी की डिकी में बैठाकर ले जाया गया।



**पुलिस ने छिपाई सच्चाई**

परिजनों का आरोप है कि वास्तविक घटना कुछ और है। शिकायत में कहा गया है कि कचहरी चौक पर गाड़ी सवार युवकों के साथ मारपीट की गई और मोबाइल छीन लिया गया। मोबाइल वापस लेने के प्रयास में विवाद बढ़ा।

घायल हो गया। परिजनों ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर स्वतंत्र जांच की मांग की है। किन्नरों, बंटी और अभिषेक द्वारा मारकर इशिताक को घायल कर दिया गया। मोबाइल लूटने के कारण बंटी को कार में बैठाकर मोबाइल की मांग की गई। पुलिस पीछा कर रही थी तो वे बचने के लिए भागते रहे। सुबह में वे बास्की गांव पहुंचे और एक जगह रुक गए। लेकिन, बास्की गांव में वाहन रुकने के बाद अचानक पुलिस द्वारा चारों ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। परिजनों का दावा है कि इशिताक अंसारी को जान से मारने की नीयत से गोली मारी गई, जो कंधे से होकर गले में फंस गई। पुलिस ने प्राथमिकी में गिरफ्तार बताया है, जबकि उसका इलाज मेडिका अस्पताल में चल रहा है, जहां इलाज का खर्च परिवार वहन कर रहा है।

**मुख्यमंत्री को राजकीय इटखोरी महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण**

**RANCHI :** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में चरारा की उपायुक्त कीर्तिश्री ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उपायुक्त कीर्तिश्री ने मुख्यमंत्री को 19 से 21 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव-2026 में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया।

**झारखंड सचिवालय सेवा संघ के खेल महोत्सव में कई खेलों का हुआ आयोजन**

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड सचिवालय सेवा संघ द्वारा चर्चा स्थित एचएमटीपी ग्राउंड में खेल महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुमार गौरव, अध्यक्ष, झारखंड राज्य युवा आयोग ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं क्रिकेट खेलकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को भी मजबूत करता है। सुबह



**महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल चैंपियन ट्रॉफी पर अंश वलब ने जमाया कब्जा**

**PHOTON NEWS KANKE :** शनिवार को कांके स्थित महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम रेंडो पतरातू में छटा महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल चैंपियन ट्रॉफी 2026 का फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मुकाबला अतिथि स्पॉटिंग टुरप और अंश वलब कांके के चिच खेला गया। अंश वलब कांके ने अतिथि स्पॉटिंग टुरप को 2-1 से गोल दाग कर महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल चैंपियन ट्रॉफी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले का मेन ऑफ द मैच पीयूष वर्हा पुरे टुनामेंट में भी सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी मैन ऑफ द सीरीज भी पीयूष को ही मिला। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कांके विधायक सुरेश बैठा, चुट्टू के समाजसेवी हयात और इम्तियाज



के हाथों मैन ऑफ द सीरीज मोटसाइकिल पुरस्कृत किया गया। इससे पूर्व 40 प्लस खिलाड़ियों का भी मैच खेला गया जिसमें प्लोन एफ सी लोहरदगा और ओल्ड इज गोल्ट टीम के बिच खेला गया। 40 प्लस में प्लोन एफ सी लोहरदगा की टीम 1-0 से विजय रही। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में कांके के विधायक सुरेश कुमार बैठा विशिष्ट अतिथि आजसू जिला अध्यक्ष संजय महतो के हाथों विजेता और उप विजेता की टीम को पुरस्कृत किया गया।



**चिकित्सक की सलाह लेते रहने की आवश्यकता**  
कॉन्फ्रेंस के दौरान राज्य पोषण कंसल्टेंट प्रतिभा सिंह ने बताया कि लगभग 15 प्रतिशत गर्भ आई रिस्क प्रेग्नेंसी वाला होता है। ऐसे में हमें ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। रांची डिस्ट्रिक्ट रिपोडिक्ट एंड डाइल्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ। असीम कुमार मांझी ने गर्भावस्था के दौरान पोषण, आयरन की गोली इत्यादि चिकित्सक की सलाह से लेते रहने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि राज्य मुख्यालय से आयी मातृ स्वास्थ्य कंसल्टेंट अन्नु कुमारी ने गर्भावस्था के दौरान खतरे के चिन्हों पर विस्तार से चर्चा की है जिसका प्रचार प्रसार जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान पोषण गर्भवती महिला का आहार कैसा हो, इसपर भी पोषण सलाहकार ने विस्तृत जानकारी दी। यूनिसेफ की रांची डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर अन्नपूर्णा ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को सफल बनाने की योजना पर चर्चा की।

**वर्कशॉप में भाग लेते सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार व अन्य**

ने बताया कि एंटी पार्टम हेमरेज, पोस्ट पार्टम हेमरेज, प्री इक्लीं पशिया, एकलो पशिया, यूट्रिन रैप्चर, सेप्टिक शॉक,

प्लेसेंटा परकरेता इत्यादि मातृ मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि सही समय पर मालूम हो जाने से गर्भवती

महिला की जान बचाई जा सकती है। सिविल सर्जन ने कहा कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के प्रबंधन में आज जो जानकारी

**BRIEF NEWS**

**मतदान कर्मियों की सुविधा का रखें पूरा ध्यान : डीसी**  
**HAZARIBAG :** नगर निगम चुनाव को लेकर उपयुक्त शक्ति प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को बैठक हुई, जिसमें सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे। उपयुक्त ने निर्देश दिया कि मतदान कर्मियों को जिन स्थलों पर ठहराया जाएगा, वहां रात्रि विश्राम के लिए बिजली, पेयजल, शौचालय, गंदे व कंबल की समुचित एवं समय पर व्यवस्था की जाए। पोलिंग पार्टियों के आवागमन के लिए पर्याप्त वाहन उपलब्ध कराए जाएं। सभी चेकपोस्ट पर सचन जांच अभियान चलाएं, अवैध रूप से नकद राशि व शराब के परिवहन पर कड़ी कार्रवाई करें तथा एफएसटी (पलाइंग स्क्वाड टीम) एवं एसएसटी (स्टैटिक सर्विलांस टीम) को पूर्णतः सक्रिय रखें। उन्होंने कहा कि सुगम एवं निष्पक्ष निर्वाचन संचालन के लिए जिला स्तर पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं टीमों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता से करना होगा।

**महाशिवरात्रि पर आज देमूहानी में होगी भव्य स्वर्णरेखा आरती**  
**JAMSHEDPUR :** महाशिवरात्रि के मौके पर इस साल भी रविवार को सोनारी के देमूहानी संगम घाट पर स्वर्णरेखा नदी की भव्य आरती की जाएगी। शनिवार को देमूहानी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि महाशिवरात्रि की संख्या बेला में घाट पर बनारस के अस्सी घाट से आए प्रसिद्ध आचार्य आशुतोष महाराज के नेतृत्व में काशी के 21 पंडित भव्य आरती करेंगे। बन्ना गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे स्थानीय पुरोहितों की देखरेख में नदी पूजन से होगी। इसके बाद आरती होगी। इस दौरान पुष्प वर्षा, खूबसूरत आतिशबाजी और शिवजी से जुड़ी विभिन्न कलाकृतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन के लिए निमंत्रण पत्रों का वितरण किया जा रहा है।

**अंचल कार्यालयों में तैनात किए जाएंगे होमगार्ड व पूर्व सैनिक**

**DHANBAD :** अंचल कार्यालयों में अब सुरक्षाकर्मी के रूप में होमगार्ड और पूर्व सैनिक तैनात किए जाएंगे। इस आशय का आदेश झारखंड सरकार के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने जारी किया है। यही नहीं, राज्य भर के लिए 20 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। आदेश में कहा गया है कि आउटसोर्सिंग के तहत अंचल कार्यालयों में सुरक्षा सुनिश्चित की जानी है। इसके लिए दो-दो की संख्या में होमगार्ड या पूर्व सैनिकों को तैनात किया जाना है। इनकी ड्यूटी तीन पाली में होगी। यह आदेश सभी जिलों के उपयुक्त को प्रेषित कर दिया गया है। राज्य सरकार के इस आदेश पर होमगार्ड जवान खुश हैं, लेकिन जवानों की कमी भी बता रहे हैं। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने बताया कि जिले में जितने होमगार्ड जवान हैं, वे कहीं प कहीं तैनात हैं।

# बोकारो में वाट्सएप-फेसबुक के माध्यम से जान-बूझ कर भेजे गए थे मैसेज बच्चा चोरी की अफवाह पर 300 से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट्स चिह्नित

**PHOTON NEWS BOKARO :** साधु-संतों की पिटाई के बाद बोकारो के उपयुक्त अजय नाथ झा ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि किसी भी हाल में बच्चा चोरी की अफवाह के नाम पर क्रूरता बर्दाशत नहीं की जाएगी। जिले में पिछले कुछ दिनों से बच्चा चोरी की अफवाहें फैलाने की घटनाएं सामने आई हैं। मामले की जांच में पता चला है कि लगभग 300 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट्स ने सुनियोजित तरीके से भ्रामक सूचनाएं प्रसारित की हैं। डीसी ने पुलिस को निर्देश दिया है कि ऐसे मामले में तत्परता से कार्रवाई करें और जनता की सुरक्षा को पहली प्राथमिकता बनाएं। इसके साथ ही अफवाह फैलाने वाले सारे सोशल मीडिया अकाउंट्स को चिह्नित कर अकाउंट्स के एडमिन सहित कमेंट व उसे फारवर्ड करने वालों पर कार्रवाई करें। डीसी ने कहा कि इस मामले में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। दोषियों को गिरफ्तारी भी की जाएगी। पुलिस व जिला प्रशासन अफवाह फैलाने वालों पर विधि-सम्मत कार्रवाई करेगा। डीसी ने आम नागरिकों से अपील की है कि

**कानून हाथ में नहीं लेने की अपील**

डीसी ने घेतावनी दी है कि किसी भी परिस्थिति में कानून को अपने हाथ में नहीं लें। अफवाहों के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट या हिंसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए एवं अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।



डीसी अजय नाथ झा

प्रतीकालय फोटो

## शराब तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

**PHOTON NEWS PALAMU :** उत्पाद विभाग ने शुक्रवार की रात पियरा थाना क्षेत्र के भिथिया गांव में छापेमारी की, जिसमें शराब तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा हुआ। छापेमारी के दौरान एक खटाल के अंदर 472 गैलन में रखा 18,880 लीटर कच्चा सिट्ट बरामद किया गया। इसके साथ ही आरोपी गृह स्वामी लव कुमार चंद्रवंशी व प्रमोद कुमार को गिरफ्तार किया गया। बरामद सिट्ट की सरकारी कीमत करीब 13 लाख रुपये है। उत्पाद अधीक्षक सुजीत कुमार ने शनिवार को बताया कि उपयुक्त ने निर्देश पर नगरपालिका आम चुनाव 2026 को लेकर विभाग विशेष अभियान चला रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को भिथिया गांव में बड़े पैमाने पर



शराब का अवैध कारोबार किए जाने की सूचना मिली थी। इसी आलोक में शुक्रवार की रात करीब 10 बजे उत्पाद विभाग के दल ने दबिश दी। आरोपी घर से सटा खटाल दिखा कर छापेमारी दल को भ्रमित करने की कोशिश की, लेकिन सूचना पुख्ता थी इसलिए घर की तलाशी ली गई तो गैलन में रखे सिट्ट मिले। कुछ दिन पूर्व एक टैंकर से सिट्ट निकालकर गैलनों में भरा गया था। आरोपी ने बताया कि इसे बिहार के औरंगाबाद जिले में भेजना था।

## उच्च शिक्षा में पारदर्शिता के लिए हर स्तर पर डिजिटलीकरण आवश्यक : कुलपति

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** कोल्हान विश्वविद्यालय के सभागार में शनिवार को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखंड (झारखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद) की ओर से नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) एवं एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) प्लेटफॉर्म पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजला गुप्ता ने कहा कि एनएडी-एबीसीउच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, डिजिटलीकरण और क्रेडिट ट्रांसफर प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह प्रणाली विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों को सुरक्षित रखने तथा बहुविकल्पीय प्रवेश-निर्गमन



उद्घाटन करती वीसी व अच्य

(मल्टीपल एंट्री-एग्जिट) व्यवस्था को प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उच्च शिक्षा निदेशक सुधीर वारा (आईएसएस) ने कहा कि इससे छात्रों के अंकपत्र, डिग्री एवं प्रमाण-पत्र डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर क्रेडिट का हस्तांतरण सुगमता से किया जा सकेगा। उप-

निदेशक अजय राज खालखो ने संस्थानों से समयबद्ध रूप से पोर्टल पर डेटा अपलोड करने का आग्रह किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के जोनल समन्वयक रवि पांडेय ने एनएडी-एबीसी प्लेटफॉर्म की तकनीकी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

## दुमका में दुष्कर्म का विरोध करने पर हुई थी महिला व उसकी बेटी की हत्या, आरोपी अरेस्ट

**PHOTON NEWS DUMKA :** दुमका में मंगलवार की रात हुई महिला और उसकी बेटी की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि घटना के बाद उन्होंने इसके खुलासे के लिए टीम बनाई थी। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो एक युवक महिला के साथ दिखा। उस युवक का पता लगाया गया। युवक का नाम जैनुल हक अंसारी था। पुलिस को उसका मोबाइल नंबर भी मिल गया। लेकिन, जब मोबाइल नंबर पर फोन लगाया गया तो वह स्विक ऑफ निकला। इससे पुलिस का शक और गहरा गया। बाद में मुखबिरों का जाल फैलाया गया और जैनुल हक अंसारी को दबिश



जानकारी देते एसपी पीतांबर सिंह खेरवार

देकर गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जैनुल हक अंसारी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को शाम को महिला अपनी बेटी के साथ वीर कुंवर सिंह चौक के पास खड़ी थी। तभी उसकी नजर उस पर पड़ी। वह महिला के पास गया। उसकी नीयत खराब थी। वह महिला को इम्पेक्ट कार्यालय के पीछे ले गया और दुष्कर्म की कोशिश करने

## गर्भवती महिलाओं की देखभाल में सुधार लाने का करें प्रयास : सीएस

**RAMGARH :** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले में हो रहे कार्यों के समीक्षा शनिवार को सिविल सर्जन (सीएस) डॉ नवल कुमार ने की। बैठक में सभी कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई और प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के सभी सदस्य उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने सभी कार्यक्रमों की भीतिक और वित्तीय उपलब्धता की समीक्षा की। बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि जिन केन्द्रों पर गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्ण देखभाल का प्रतिशत कम है उसे सुधार लाने का प्रयास किया जाये। निर्धारित दिनों के अतिरिक्त अन्य दिनों में भी गर्भवती महिलाओं का ध्यान रखा जाए।

## पलामू में बहू की हत्या कर जंगल में जलाया शव, पुलिस ने बरामद किए अवशेष

**PHOTON NEWS PALAMU :** पलामू जिले में एक ससुराल वालों ने अपनी बहू की बेरहमी से हत्या कर दी है। हत्या के बाद ससुराल मिटाने के लिए शव को जंगल में ले जाकर जला दिया गया। यह सनसनीखेज घटना पांडू थाना क्षेत्र के डालाकला गांव की है। यहां से पुलिस ने मृतका के जले हुए अवशेष बरामद कर लिए हैं। उधर, आरोपी ससुराल पक्ष के लोग फरार हो गए हैं। घर में ताला लटका हुआ है। घटना शुक्रवार को अंजाम दी गई थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि डाला कला गांव में सितारा देवी नामक महिला की हत्या कर दी गई है। हत्या के बाद शव को फंदे पर लटका दिया गया। इस सूचना के आधार पर पांडू के थाना प्रभारी विवेश कुमार राय



मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। तहकीकात के दौरान पुलिस को चौंकाने वाले तथ्य नजर आए। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पुलिस डाला के जंगल तक पहुंची। यहां मृतका के जले हुए अवशेष, हड्डियां और अन्य साक्ष्य बरामद किए गए। पुलिस टीम मजिस्ट्रेट के साथ जंगल में दाखिल हुई थी। पांडू के थाना प्रभारी ने बताया कि अवशेषों की वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम को बुलाया गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या कर शव जलाने का लगता है। ससुराल पक्ष के सभी लोग फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। मृतक सितारा देवी सोनभद्र जिले की निवासी थी। उसकी शादी पिछले साल मई में डालाकला गांव के रहने वाले मुकेश भुइयां से हुई थी।

# आस्था प्रकृति की गोद मे बसा है मां का दरबार, यहां आने से मिली शांति



उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज

## पैतृक गांव सिमरतरी आए थे पूर्व उप प्रधानमंत्री

पूर्व उप प्रधानमंत्री डॉ. हरीश बुधु दो बार अपने पैतृक गांव हजारीबाग जिले के बड़कागांव स्थित सिमरतरी आए थे। पहली बार 1986 और दूसरी बार 1991 में पत्नी सरिता बुधुके साथ आए थे। उस समय उन्होंने गांव के विकास के लिए हजारीबाग में एक ट्रस्ट बनाया था और लड़कियों की शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाया था। उनकी प्रेरणा से बड़कागांव में बालिका उच्च विद्यालय की स्थापना हुई थी। डॉ. हरीश बुधु के पूर्वज बुधु महतो को मात्र 16 वर्ष की आयु में अंग्रेज (इस्ट इंडिया कंपनी) मजदूरी के लिए मॉरीशस ले गई थी। डॉ. हरीश बुधु 1982 में मॉरीशस के उप प्रधानमंत्री बने। इसके बाद उन्होंने अपने पूर्वजों का घर खोजा और भारत यात्रा के दौरान गांव पहुंचे थे।

के लोगों की मजबूत भागीदारी तब हुई, जब मॉरीशस के उप प्रधानमंत्री पद पर डॉ. हरीश बुधु आसीन हुए। समाज सुधार और प्रशासनिक सुधारों के समर्थक भारतीय मूल के नेताओं में प्रमुख स्थान रहा। डॉ. हरीश बुधु के आने से भारत और मॉरीशस का संबंध मजबूत हुए। भारत सरकार से संपर्क कर सांस्कृतिक संबंध मजबूत किया। प्रवासी भारतीय विरासत को सम्मान दिलाने में योगदान रहा। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रिश्तों को नई दिशा दी गई। मॉरीशस को मिनी इंडिया भी कहा जाता है। स्थानीय लोगों ने मॉरीशस के पूर्व उप प्रधानमंत्री की बेटी व दामाद का भव्य स्वागत किया।

## गुमला में बहंगी पर ले गए थे इलाज कराने, सड़क पर बनाई अर्था



**PHOTON NEWS GUMLA :** रायडीह प्रखंड के लालमट्टी गांव निवासी भिनसाई मुंडा (48) की शनिवार को सदर अस्पताल, गुमला में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद परिवार की पीड़ा तब बढ़ गई, जब उन्हें शव ले जाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिला। परिजन शव को निजी वाहन से काशीर मुख्य पथ तक तो ले आए, लेकिन गांव तक सड़क नहीं होने के कारण वाहन अग्रे नहीं जा सका। परिजनों ने लालमट्टी रोड पर ही अर्था तैयार की और करीब 10 किलोमीटर तक शव को कंधों पर

उठाकर पहाड़ों के बीच बसे गांव तक ले गए। ग्रामीणों ने बताया कि उनका गांव तक सड़क नहीं है, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए खाट या अस्थायी साधनों का सहारा लेना पड़ता है। इससे पहले गत वर्ष 20 अगस्त को गांव की सुनीता देवी को प्रसव पीड़ा होने पर बहंगी से ही मेन रोड तक लाया गया था। काफी देर बाद 108 एंबुलेंस पहुंची, जिससे इतनी देर हो चुकी थी कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में बच्चे का जन्म हो गया।

## BRIEF NEWS

## नीतीश कुमार ने दी महाशिवरात्रि पर बधाई व शुभकामनाएं

**PATNA :** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि महाशिवरात्रि पर्व में लोग पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ भगवान शिव की उपासना करते हैं। इस पर्व की अपनी अलग महत्ता एवं विशिष्टता है। यह पर्व हमारी संस्कृति को और मजबूत बनाता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि वे आपसी प्रेम, पारस्परिक सौहार्द एवं सामाजिक सद्भाव के साथ महाशिवरात्रि का पर्व मनायें। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि यह पर्व समस्त प्रदेशवासियों के लिए सुख, शान्ति और समृद्धि लेकर आवेगा।

## 12 व 13 मार्च को होगा कोशी महोत्सव

**SAHARSA :** जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में कोशी महोत्सव आयोजन संबंधित बिंदु पर विचार विमर्श हेतु शनिवार को बैठक का आयोजन किया गया। विचारोपरांत यह निर्णय लिया गया की अन्य वर्षों की भांति इस वर्ष भी कोशी महोत्सव का आयोजन उल्लासपूर्ण वातावरण में किया जाएगा। बैटक में लिए गए निर्णय के अनुसार इस वर्ष 12 एवं 13 मार्च को आयोजित होने वाले कोशी महोत्सव में कोशी क्षेत्र के महान संस्कृति, परंपरा को प्रतिबिंबित करने वाले कार्यक्रमों का समावेश होगा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय, आमंत्रित कलाकारों द्वारा कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति की जाएगी। आमंत्रित कलाकारों के संबंध में सम्यक विचारोपरांत शीघ्र निर्णय लिया जाएगा इस हेतु आवश्यक कारवाई का निर्देश दिया गया है।

## कांग्रेस सेवादल ने की सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत

**PATNA :** प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की उपस्थिति में बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल ने सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत की। परंपरा के अनुसार ध्वज बंधन कार्यक्रम के उपरांत यह अभियान प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रभारी अफरोज खान एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने सेवादल की सराहना करते हुए कहा कि सेवादल संगठन जितना मजबूत होगा, कांग्रेस पार्टी भी उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेगी और जनसेवा के कार्यों में नई ऊर्जा आएगी। उन्होंने कार्यक्रमों से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों को सेवादल से जोड़कर संगठन को बृथ स्तर तक मजबूत करें। कार्यक्रम में प्रदेश महिला सेवादल अध्यक्ष श्रीमती रुचि सिंह, अहमद राजा खान, आशुतोष रंजन, राजकुमार पूर्वे, विपिन झा, राजवंध पांडे, अली बलिख, पिंकी पासवान, गुणेश्वर चौबे, गुलशन कुमार, सुरेश कुमार सहित दर्जनों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गंगाजी राजगृह जलाशय का किया निरीक्षण, कहा- लोगों को निरंतर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने पर रखें ध्यान

**PHOTON NEWS PATNA :** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को नवादा जिले के नारदीगंज अंचल स्थित मोतानाजे ग्राम के पास अवस्थित गंगाजी राजगृह जलाशय का निरीक्षण किया। उन्होंने जलाशय परिसर का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि गंगाजी जल आपूर्ति योजना के तहत गयाजी, बोधगया, नवादा और राजगीर में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि शुद्ध पानी की आपूर्ति निरंतर जारी रहे और इसमें किसी प्रकार की बाधा न आने पाए, इसका विशेष ध्यान रखना है। साथ ही जलाशय परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने पर जोर दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नालंदा जिले के राजगीर स्थित गुडकूट



मलमास मेला की तैयारियों को लेकर सीएम ने दिए निर्देश

भवन का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने गुडकूट भवन से होते हुए नए रोप-वे का भी अवलोकन किया तथा पर्यटकों को उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हों, ताकि पर्यटकों को किसी

प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने इसके पश्चात राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में मलमास मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा की। नालंदा के जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने उन्हें तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर निर्देश दिया कि मलमास मेला-2026 की

तैयारियां समयबद्ध और व्यापक स्तर पर की जाएं, क्योंकि इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए आवासन, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की

जाए। घाटों की साफ-सफाई, आवागमन के मार्गों की मरम्मत तथा यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, इसलिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्व से ही पूरी कर ली जाएं।

## सारण के 29 अस्पतालों में अब सिर्फ कार्ड दिखाएं और पाएं मुफ्त इलाज

**PHOTON NEWS SARAN :** जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत योजना के तहत डिस्ट्रिक्ट एमपैनेलमेंट कमिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण और पैनेल में नए अस्पतालों को जोड़ने की प्रक्रिया की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में सारण जिले के 18 निजी और 11 सरकारी अस्पतालों कुल 29 को आयुष्मान भारत के पैनेल में शामिल किया गया है। इन अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारक प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का केशलेस इलाज प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में एक नए निजी अस्पताल को पैनेल में शामिल करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। हालांकि, सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए



समिति ने उक्त अस्पताल को फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र और क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत अन्य तकनीकी कमियां को दूर करने के लिए एक माह का समय दिया है। अनुपालन सुनिश्चित होने के बाद ही अगली बैठक में इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्दिष्ट किया कि योजना के दायरे को और बढ़ाया जाए ताकि अधिक से अधिक गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। इस अवसर पर सिविल सर्जन, चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीसी आयुष्मान भारत सहित समिति के अन्य सदस्य और स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

## डिजिटल युग में छात्र-छात्राओं के लिए तकनीक अत्यंत जरूरी : श्रवण कुमार

**AGENCY NALANDA :** ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने शनिवार को नूरसराय में आयोजित आदित्य कलासेज के द्वारा आयोजित 'उद्भव' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दुनिया में लगाभग हर चीज बाजार में बिक सकती है, लेकिन ज्ञान कभी बाजार में नहीं बिकता। उन्होंने कहा कि समाज में उसी व्यक्ति का सम्मान होता है जो ज्ञानवान होता है। आज के प्रतिस्पर्धा के दौर में वही आगे बढ़ेगा जो अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करेगा। मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में व्यापक कदम उठाए गए हैं। करीब 23 हजार नए सरकारी विद्यालय खोले गए। वर्तमान में राज्य में वर्ग एक से आठ तक



'उद्भव' कार्यक्रम का उद्घाटन करते मंत्री श्रवण कुमार व अन्य

लगाभग एक करोड़ 77 लाख बच्चे सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे हैं, जबकि लगभग 30 लाख बच्चे निजी विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में भी अब संसाधन और आधारभूत संरचना में वृद्धि हुई है। मंत्री ने चिंता जताते हुए कहा कि नई पीढ़ी तेजी से पश्चिमी संस्कृति की ओर आकर्षित हो रही है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे मोबाइल का सीमित और सही

उपयोग करें। डिजिटल युग में आगे बढ़ने के लिए तकनीक जरूरी है, लेकिन उसका दुरुपयोग भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है। पढ़ाई पर अधिक ध्यान देना ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी दीपक कुमार ने कहा कि शिक्षा जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है।

## सुधर जाएं, अपराध के खिलाफ किसी भी तरह की नहीं बरती जाएगी नरमी : सम्राट चौधरी

**AGENCY EAST CHAMPARAN :** बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को अपराधियों को सख्त चेतावनी दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अपराध करने वाले या तो सुधर जाएं, नहीं तो पड़ोसी देश नेपाल की राह पकड़ लें। सरकार अपराध के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी बरतने नहीं जा रही, अगर कोई नहीं मानेगा तो, उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई कर उन्हें समाप्त कर दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री पीपराकोटी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के अटल सभागार में आयोजित तीन दिवसीय लघु एवं सीमांत कृषक कार्यशाला सह मात्स्यिकी, यांत्रिकी, बागवानी एवं पशु मेला के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा अपराध नियंत्रण के लिए



सरकार ने बिहार अपराध नियंत्रण विधेयक जैसे कड़े कदम उठाए हैं, ताकि अपराधियों के हासले पूरी तरह परत किए जा सकें। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार किसानों और आम लोगों के हित में लगातार काम कर रही है। बीते 20 दिनों में बिहार के 50 लाख किसानों ने निबंधन कराया है। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 2.14 करोड़

विद्युत उपभोक्ता हैं, जिनमें 1.70 करोड़ उपभोक्ताओं का शून्य बिजली बिल आ रहा है। जिससे आम लोग बड़ी राहत मिली है। उन्होंने पूर्वी चंपारण के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि इसी वर्ष मोतिहारी और चकिया चीनी मिल पर काम शुरू होगा। इसके साथ ही मोतिहारी से रक्सौल और पटना से बेतिया फोरलेन सड़क निर्माण की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रक्सौल में बड़े एयरपोर्ट और मोतिहारी में छोटे एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उद्योग, कृषि और आधारभूत संरचना को मजबूत कर बिहार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है।

## भागलपुर में महानगर संगठन चुनाव को लेकर जदयू ने की बैठक

**AGENCY BHAGALPUR :** जनता दल (यूनाइटेड) महानगर कार्यालय नयाबाजार भागलपुर में शनिवार को महानगर संगठन चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी महानगर प्रदीप सिंह एवं जिला निर्वाचन पर्यवेक्षक पंकज कुमार पटेल उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रत्येक सेक्टर से तीन-तीन नाम प्राप्त किए गए, जिनमें सर्वसम्मति से प्रत्येक सेक्टर के लिए एक सेक्टर निर्वाचन पदाधिकारी एवं एक पर्यवेक्षक का चयन किया गया। सेक्टर एक में रूपेश कुमार रंजन (निर्वाचन पदाधिकारी), सागर हरि (पर्यवेक्षक), सेक्टर दो में धीरज कुमार राय (निर्वाचन पदाधिकारी), राजेश कुमार राय (पर्यवेक्षक), सेक्टर



तीन में मो० शहजादा (निर्वाचन पदाधिकारी), किशोर साह (पर्यवेक्षक), सेक्टर चार में मो० तंजीम (निर्वाचन पदाधिकारी), संजू तिवारी (पर्यवेक्षक) और सेक्टर पांच में धर्मेश कुमार साह (निर्वाचन पदाधिकारी), आशीष कुमार (पर्यवेक्षक) बनाए गए। निर्वाचन पर्यवेक्षक पंकज कुमार पटेल ने बताया कि सेक्टर चुनाव की तिथि 21 फरवरी से 23 फरवरी निर्धारित की गई है, जिसके अंतर्गत सेक्टर अध्यक्षों का चुनाव सम्पन्न कराया जाएगा।

## NEWS BOX

## बलुआ बाजार सीएचसी का निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं की परखी गई व्यवस्था

**AGENCY SUPAUL :** स्वास्थ्य विभाग बिहार के निर्देश पर सिविल सर्जन व जिला स्वास्थ्य समिति की टीम ने आज दिनांक 14 फरवरी को बलुआ बाजार सीएचसी का निरीक्षण कर ओपीडी, लेब व इमरजेंसी सेवाओं की समीक्षा की, सुपौल एवं जिला योजना समन्वयक सह जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला स्वास्थ्य समिति सुपौल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलुआ बाजार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रजिस्ट्रेशन काउंटर, ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, पैथोलॉजी लेब, इमरजेंसी सेवा, लेबर रूम तथा अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था की बारीकी से जांच की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर और समय पर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा अस्पताल में आने वाले मरीजों को सुचारु सुविधा उपलब्ध कराना बताया गया। अधिकारियों ने व्यवस्था को और सुदृढ बनाने पर जोर दिया।

## 38 पशु सखियों का प्रशिक्षण संपन्न ग्रामीण पशुपालन को मिलेगा नया बल

**AGENCY SAHARSA :** जिले में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत कौशिकी जीविका शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र सुलिदाबाद में कुल 38 पशु सखियों का 05 दिवसीय प्रशिक्षण बकरी स्वास्थ्य प्रबंधन 02 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जीविका द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन आधारित आजीविका को सुदृढ करने एवं पशुधन संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान पशु सखियों को पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित पोषण, विभिन्न पशु रोगों की पहचान, प्राथमिक उपचार तथा टीकाकरण संबंधी विस्तृत एवं व्यवहारिक ज्ञानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से पीपीआर वैक्सीन के महत्व, उसके सुरक्षित उपयोग एवं समयबद्ध टीकाकरण की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

## अग्निपीड़ित परिवारों को राहत सहायता राशि का चेक वितरित

**AGENCY SUPAUL :** जिले के अंचल अधिकारी आनंद कुमार मंडल ने शनिवार को ग्राम पंचायत लाउड में आग से प्रभावित परिवारों के बीच राहत सहायता राशि का वितरण किया। अग्निकांड से प्रभावित कुल तीन परिवारों को सरकारी प्रावधान के तहत 12-12 हजार रुपये का अनुदान चेक प्रदान किया गया, ताकि वे तत्काल आवश्यक जरूरतों को पूरा कर सकें। सहायता प्राप्त करने वाले पीड़ित परिवारों में मीना देवी (स्व. देव नारायण साह), अनीता कुमारी (सुरीश साह) तथा सज्जन कुमारी (संतोष साह) शामिल हैं। अंचल अधिकारी ने कहा कि आपदा की घड़ी में प्रशासन पीड़ित परिवारों को साथ खड़ा है और आगे भी हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय लोगों ने राहत वितरण को लेकर प्रशंसा के प्रति आभार जताया। यह सहायता राशि आग से हुए नुकसान के बाद प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत देने के उद्देश्य से उपलब्ध कराई गई है, ताकि वे सामान्य जीवन की ओर लौट सकें।

## नालंदा जिले में नशे के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा

**AGENCY NALANDA :** नालंदा जिले के लहेरी थाना क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार और युवाओं के बिाड़ते भविष्य को लेकर स्थानीय महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया है। मोहल्ले की महिलाओं ने आज शनिवार को नशे के विरोध में आगुरुकत्ता बैठक आयोजित कर पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। महिलाओं का कहना है कि इलाके में गांजा, शराब, वीयर और सिगरेट का सेवन खुलेआम हो रहा है, जिससे छोट-छोटे बच्चे भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। कई किशोर जुआ खेलने लगे हैं, जिससे परिवारों की स्थिति खराब हो रही है। उन्होंने बताया कि गली-मोहल्लों में युवक बैठक नशा करते हैं और राह चलती महिलाओं व छात्राओं पर फ्लिर्टा करते हैं, जिससे अभिभावकों को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। सुचना मिलने पर लहेरी थाना प्रभारी रंजीत रजक ने अपने अधिकारियों को बैठक में भेजा। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं और ब्रह्मस्थान (महापुरु अड्डा, वार्ड संख्या 23) को नशे का अड्डा बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई है वहीं लोगों ने आरोप लगाया कि बाहरी युवक आकर यहां शराब और गांजा बेचते हैं, जिससे मोहल्ले के बच्चे बर्बाद हो रहे हैं। वार्ड परिषद प्रतिनिधि दिलीप कुमार ने बताया कि इस संबंध में पहले भी आवेदन दिया गया था, लेकिन टोस कार्रवाई नहीं होने से स्थिति गंभीर हो गई है। अब पुलिस की मदद से नशे के खिलाफ अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

सेवन खुलेआम हो रहा है, जिससे छोट-छोटे बच्चे भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। कई किशोर जुआ खेलने लगे हैं, जिससे परिवारों की स्थिति खराब हो रही है। उन्होंने बताया कि गली-मोहल्लों में युवक बैठक नशा करते हैं और राह चलती महिलाओं व छात्राओं पर फ्लिर्टा करते हैं, जिससे अभिभावकों को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। सुचना मिलने पर लहेरी थाना प्रभारी रंजीत रजक ने अपने अधिकारियों को बैठक में भेजा। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं और ब्रह्मस्थान (महापुरु अड्डा, वार्ड संख्या 23) को नशे का अड्डा बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई है वहीं लोगों ने आरोप लगाया कि बाहरी युवक आकर यहां शराब और गांजा बेचते हैं, जिससे मोहल्ले के बच्चे बर्बाद हो रहे हैं। वार्ड परिषद प्रतिनिधि दिलीप कुमार ने बताया कि इस संबंध में पहले भी आवेदन दिया गया था, लेकिन टोस कार्रवाई नहीं होने से स्थिति गंभीर हो गई है। अब पुलिस की मदद से नशे के खिलाफ अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

## विभिन्न जिलों से आए छात्रों को दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**AGENCY NALANDA :** शैक्षणिक भ्रमण के लिए शनिवार को नालंदा आए विभिन्न जिलों के स्कूली बच्चों को मिशन हरियाली नूरसराय की ओर से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विश्व शांति स्तूप, राजगीर के समीप निजी भूमि पर पौधरोपण के लिए 500 अमरुद के पौधे नि:शुल्क वितरित किए गए एक और जहां बच्चों ने विश्व शांति स्तूप, नालंदा खंडहर और पाणवती जल मंदिर जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया, वहीं पौधे पाकर उनके चेहरों पर ख़ास

उत्साह और मुस्कान देखने को मिली। इस दौरान बेगूसराय जिले के उत्कर्मित माध्यमिक लस टू विद्यालय गुदार, उत्कर्मित मध्य विद्यालय छर्पाई, दरभंगा जिले के एन.बी. इंग्लिश एकेडमी लहेरियासराय, लखीसराय के उत्कर्मित मध्य विद्यालय शाहनगर तथा जहानाबाद जिले के मध्य विद्यालय मुरवाय के विद्यार्थियों को पौधे वितरित किए गए। मिशन हरियाली के सदस्य पी. सिंह ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग आज वैश्विक समस्या बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण के कारण जीवन में कई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं और खेती-बाड़ी भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधों की कमी के कारण अस्मय बारिश, बढ़ते तापमान और विभिन्न बीमारियों जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।

## वीडियो वायरल करने के मामले में इंटर के परीक्षार्थी पर मामला दर्ज

**AGENCY SARAN :** बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के दौरान परीक्षा केंद्र और बोर्ड की छवि धूमिल करने की कोशिश करने वाले एक छात्र पर गाज गिरी है। लोकमान्य उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर परीक्षा दे रहे एक छात्र के विरुद्ध नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। छात्र पर आरोप है कि उसने परीक्षा केंद्र की व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किया था। जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि एक आर एस डी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नरवां के छात्र ने अपने मित्रों के साथ मिलकर एक वीडियो बनाया था। यह वीडियो लोकमान्य उच्च विद्यालय केंद्र के बाहर फ्लिकिंग के दौरान सड़क पर खड़े होकर पीछे से शूट किया गया था। वायरल वीडियो में छात्र एक उत्तर पुस्तिका दिखा रहा था, जिसे उसने वर्तमान में चला रही सैद्धांतिक परीक्षा का बताया था। मामला संपन्न में आते ही जज प्रशासन ने वीडियो की पड़ताल की, तो पाया गया कि वीडियो में दिखाई जा रही उत्तर पुस्तिका उस केंद्र पर आयोजित हो रही सैद्धांतिक परीक्षा की ही नहीं। यह उत्तर पुस्तिका प्रायोगिक परीक्षा की थी जो छात्रों के अपने मूल विद्यालय एम आर एस डी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुई थी।

## पर्व-त्योहार

अररिया में गाजे-बाजे के साथ निकाली जाएगी मव्य शिव बारात

## महाशिवरात्रि को लेकर ढाई सौ साल पुराना शंकरपुर शिव मंदिर तैयार

**AGENCY ARARIA :** फारबिसगंज के शंकरपुर शिव मंदिर ढाई सौ साल पुराना है। जहां महाशिवरात्रि पर लाखों की संख्या में शिव भक्त उमड़ते हैं। महाशिवरात्रि को लेकर शंकरपुर शिव मंदिर प्रबंधन कमिटी ने पूरी तैयारी की है। मंदिर के रंग रोगन के साथ विशेष सफाई की व्यवस्था की गई है। महाशिवरात्रि पर निकलने वाली शिव बारात को लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है। शंकरपुर शिव मंदिर के शिवलिंग को आपरूपी माना जाता है। मंदिर के वर्तमान पुजारी विनोद गिरी, सुरेन्द्र गिरी, सचिव रंजन मंडल ने बताया कि भोले बाबा कि इस



शिवलिंग की पूजा करना खानदान की परम्परा है, जो हमारे परदादा के तीन पीढ़ी पहले से किया जाता है। चार दशक पहले मंदिर का निर्माण

ग्रामीण श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। इससे पहले यहां एक झोपड़ी नुमा घर में भगवान शिवशंकर का भक्त पूजा करते थे। सैफगंज पंचायत के

शंकरपुर गांव की पहचान शिव मंदिर से जुड़ा है। शिव मंदिर होने के कारण ही इस गांव का नाम शंकरपुर पड़ा है। इस शिव मंदिर को लोग मनोकामना पूर्ण करने का केंद्र माना जाता है। महाशिवरात्रि पर लाखों की संख्या में शिव भक्त जलाभिषेक के लिए उमड़ते हैं। प्रस्थानीय ग्रामीणों ने बताया इस मंदिर का निर्माण कब हुआ यह अज्ञात है। मंदिर प्रबंधन कमिटी के सचिव सह सैफगंज पैक्स अध्यक्ष रंजन मंडल ने बताया कि इस बार मेले में साफ सफाई एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से मेले में सीसीटीवी कैमरा

लगाया गया है। रंजन मंडल ने बताया कि इस बार दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के जलाभिषेक करने की उम्मीद है, इन बातों का ध्यान रखते हुए परवाहा पुलिस चौकी के जवानों के साथ साथ सैफगंज स्वयंसेवक श्रद्धालुओं के सहायता के लिए उपस्थित रहेंगे। चार दिनों तक चलने वाले इस मेले में करोड़ों खरीद बिक्री होती है। मंदिर पर आमलोगों का आस्था इतना ज्यादा है कि यहां न सिर्फ पड़ोसी जिले बल्कि नेपाल से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि में सैफगंज बच्चों का मुंडन संस्कार किया जाता है।

## पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में बालिकाओं को दिया गया आत्मरक्षा प्रशिक्षण

**NALANDA :** नालंदा जिले के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय राजगीर में छात्राओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आज शनिवार को आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में अपनी सुरक्षा करने के लिए तैयार करना है। विद्यालय के प्राचार्य विवेक किशोर ने कहा कि आत्मरक्षा केवल एक कौशल नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है। इससे बालिकाएं अपने परिवेश के प्रति सजग रहती हैं और किसी भी संकट की स्थिति में मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक रूप से स्वयं की रक्षा करने में सक्षम बनती हैं।

## भारतीय रेल परियोजनाओं को मिली नई रफ्तार

वैश्विक मानचित्र पर आए दिनों चर्चा व चिंतन भारत का होना आम बात है, लेकिन इन दिनों आम बजट मे रेल मंत्रालय को आवॉटिंत राशि को ले चारों दिशाओं में विकास की तेज रफ्तार व सीटी सुनाई पड़ने लगी है। केंद्रीय बजट 2026-27 लोकसभा में प्रस्तुत हो चुका है और यह बजट केवल सरकार के आय-व्यय का लेखा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का वह निर्णायक दस्तावेज है, जो देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को नई शक्ति देता है। इस बजट का सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली पक्ष यह है कि भारतीय रेल को केंद्र में रखकर मोदी सरकार ने राष्ट्र निर्माण की गति को और तेज करने का स्पष्ट संदेश दिया है। प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत मिशन और केंद्रीय रेलमंत्रत्रीअश्विनी वैष्णव का आधुनिक रेलवे विजन अब कागजों की योजना नहीं,बल्कि बजट की ठोस घोषणाओं और रिकॉर्ड निवेश के माध्यम से यथार्थ की धरातल पर उतरता दिखाई दे रहा है। भारतीय रेल आज अपने यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने वाली व्यवस्था नहीं रह गई, बल्कि यह भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़,उद्योगों की जीवनरेखा,कृषि बाजारों की शक्ति और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा इंजन बन चुकी है। वर्ष 26 के बजट में भारतीय रेल को लगभग 2.78 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत आवंटन प्राप्त हुआ है,जो भारतीय रेल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार माना गया है। रेलमंत्रत्री अश्विनी वैष्णव ने इस निवेश को देश की आर्थिक परट्टी पर तेज रफ्तार विकास का विजय घोष कहा है। सर्वविदित रहे कि पिछले दशक में रेलवे में जिस स्तर पर परिवर्तन आया है,वह स्वतंत्र भारत में अपूर्वपूर्ण है। रेलवे नेटवर्क का विस्तार,नई तकनीक का समावेश,स्टेशन पुनर्विकास,हाई- स्पीड रेल परियोजनाएँ और हरित ऊर्जा की दिशा में कदम- यह सब भारत को एक नई रेल क्रांति की ओर ले जा रहा है। रेल बजट 2026-27 का सबसे बड़ा आकर्षण सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा है। ये कॉरिडोर भारत के औद्योगिक केंद्रों, व्यापारिक शहरों, कृषि उत्पादन क्षेत्रों और निर्यात हब को तेज गति से जोड़ेंगे। हाई-स्पीड रेल नेटवर्क केवल यात्रियों के समय की बचत नहीं करेगा,बल्कि यह निवेश आकर्षण,उद्योग विस्तार, पर्यटन विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के तीव्र उत्थान का माध्यम बनेगा। जब शहरों के बीच दूरी घटती है,तब व्यापार की गति बढ़ती है,नए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इससे आर्थिक गतिविधियाँ कई गुना तेज हो जाती हैं। दिल्ली-वाराणसी, वाराणसी- सिलीगुड़ी जैसे कॉरिडोर उत्तर भारत और पूर्वी भारत की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखते हैं। यह विकसित भारत की ओर बढ़ते कदमों का सबसे बड़ा संकेत है। इसी बजट में हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना को आगे बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। भारत अब केवल परंपरागत डीजल इंजनों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। हाइड्रोजन ट्रेनें पर्यावरण अनुकूल, ऊर्जा दक्ष और भविष्य की परिवहन प्रणाली का प्रतीक हैं। इससे प्रदूषण घटेगा, ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत हरित परिवहन क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह वही सोच है, जो विकसित राष्ट्रों की पहचान बन चुकी है। अब भारत भी उसी दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना को भी बजट 2026-27 में नई ऊर्जा मिली है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और आधुनिक राष्ट्र निर्माण की पहचान बन चुकी है। बुलेट ट्रेन केवल एक रेल सेवा नहीं, बल्कि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, निवेश सामर्थ्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में इसका विस्तार भारत को हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट के वैश्विक मानचित्र पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। रेलवे विद्युतीकरण भी इस बजट का एक मजबूत स्तंभ है। सरकार का लक्ष्य है कि भारतीय रेल नेटवर्क पूर्णतः विद्युतीकृत होकर ऊर्जा दक्ष, तेज,सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बने। विद्युतीकरण से परिरक्षण लागत घटेगी, माल ढुलाई क्षमता बढ़ेगी और भारत का लॉजिस्टिक्स सेक्टर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत होगा। रेलवे की गति केवल ट्रेनों की रफ्तार नहीं बढ़ाएगी, बल्कि यह भारत की आर्थिक गति को भी तेज करेगी। रेल बजट 2026-27 का सबसे प्रत्यक्ष और जनसरोकार से जुड़ा पक्ष अमृत भारत स्टेशन योजना है। देशभर में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशन अब केवल प्लेटफॉर्म नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक यात्री सुविधा केंद्र,व्यापारिक गतिविधियों के हब और स्थानीय रोजगार के केंद्र बनेंगे। छोटे शहरों और रकबों में स्टेशन विकास से होटल, टेक्सी, दुकानें, स्थानीय हस्तशिल्प, खानपान उद्योग और पर्यटन व्यवसाय को नया जीवन मिलेगा। रेलवे स्टेशन अब विकास के प्रवेश द्वार बनेंगे। नई रेल लाइनों, डबलिंग, ट्रेक अपग्रेडेशन और फ्रेंच कॉरिडोर परियोजनाओं पर भी बजट में विशेष बल दिया गया है। माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए रेलवे को आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में बदला जा रहा है। इससे कृषि उत्पाद तेजी से बाजारों तक पहुंचेंगे,उद्योगों को कच्चा माल समय पर मिलेगा और निर्यात क्षेत्र को नई शक्ति मिलेगी। रेलवे विकास का अर्थ केवल यात्री सुविधा नहीं, बल्कि भारत के उत्पादन और व्यापार की क्षमता में क्रांतिकारी वृद्धि है।

## अमेरिकी टैरिफ कटौती में भारत से ज्यादा अमेरिका का हित

### ANALYSIS



डॉ. मंयंक चतुर्वेदी

दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत का धैर्य, संतुलित कूटनीति और दीर्घकालिक सोच आखिरकार रंग लाती दिखाई दी है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने टैरिफ को एक राजनीतिक और रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और यहां तक कि भारत जैसे मित्र देशों पर भी भारी शुल्क लगाए गए। उद्देश्य इसके पीछे जो दिखा, वह घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देना और आयात को महंगा कर अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देना रहा लेकिन व्यवहार में इसका असर उल्टा पड़ा। ऊंचे टैरिफ का सीधा बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा, महंगाई बढ़ी और सप्लाई चेन में अस्थिरता आई। आज जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था महंगाई के दबाव से कराह रही है, तब ट्रंप प्रशासन को यह समझ में आया कि टैरिफ की यह आक्रामक नीति लंबे समय तक टिकाऊ नहीं है। कहना होगा कि यही सोच है, जो प्रति अमेरिकी रुख में बदलाव होता हुआ दिखाई है। भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना आज भारत से अधिक अमेरिकी बाजार में कीमतों को काबू में रखने की एक व्यावहारिक कोशिश भी है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कूटनीति में कई बार फैसले तत्काल फायदे से अधिक दूरगामी मजबूतियों का नतीजा होते हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करना भी ऐसा ही एक निर्णय है, जिसके सतही तौर पर भारत के पक्ष में बड़ी जीत माना जा रहा है, किंतु गहराई से देखने पर यह कदम अमेरिका के अपने घरेलू हितों, खासकर महंगाई से जूझते आम अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत देने की मजबूरी का परिणाम अधिक नजर आता है। दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत का धैर्य, संतुलित कूटनीति और दीर्घकालिक सोच आखिरकार रंग लाती दिखाई दी है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने टैरिफ को एक राजनीतिक और रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और यहां तक कि भारत जैसे मित्र देशों पर भी भारी शुल्क लगाए गए। उद्देश्य इसके पीछे जो दिखा, वह घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देना और आयात को महंगा कर अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देना रहा लेकिन व्यवहार में इसका असर उल्टा पड़ा। ऊंचे टैरिफ का सीधा बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा, महंगाई बढ़ी और सप्लाई चेन में अस्थिरता आई। आज जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था महंगाई के दबाव से कराह रही है, तब ट्रंप प्रशासन को यह समझ में आया कि टैरिफ की यह आक्रामक नीति लंबे समय तक टिकाऊ नहीं है। कहना होगा कि यही सोच है, जो प्रति अमेरिकी रुख में बदलाव होता हुआ दिखाई है। भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना आज भारत से अधिक अमेरिकी बाजार में कीमतों को काबू में रखने की एक व्यावहारिक कोशिश भी है।



टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना आज भारत से अधिक अमेरिकी बाजार में कीमतों को काबू में रखने की एक व्यावहारिक कोशिश भी है। भारत से आने वाले टेक्सटाइल, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, केमिकल और आईटी सेवाएं अमेरिकी उपभोक्ताओं और उद्योगों के लिए अहम हैं। इन पर ऊंचा शुल्क अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ाता था, जिसका असर सीधे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर पड़ता था। ऐसे में टैरिफ कटौती अमेरिका के लिए अपनी ही अर्थव्यवस्था को राहत देने का रास्ता बन गई। वैश्विक तुलना करें तो भारत की स्थिति अब कहीं अधिक मजबूत नजर आती है। नए टैरिफ ढांचे में भारत पर 18 प्रतिशत शुल्क है, जबकि इंडोनेशिया पर 19, वियतनाम और बांग्लादेश पर 20 और चीन पर 34 प्रतिशत टैरिफ लागू है। यह अंतर वैश्विक निर्यात प्रतिस्पर्धा में बड़ा बदलाव है। अमेरिकी आयातक स्वाभाविक रूप से कम शुल्क वाले देशों से खरीद बढ़ाने की कोशिश करेंगे

दबाव आते रहे, बावजूद भारत ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा संबंधी परिस्थितियों के आधार पर होगा। यही धैर्य और आत्मविश्वास अंततः भारत के पक्ष में अब आता हुआ दिखाता है। पहले भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और अब अमेरिका का खुद यह स्वीकार करना कि टैरिफ नीति में लचीलापन जरूरी है, आज यह साबित करता है कि जलदबाजी के बजाय भारत द्वारा संतुलित कूटनीति उसके पक्ष में कितनी प्रभावी रही है। इस व्यापार समझौते का सीधा प्रतिक्रिया भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिला, जहां समझौते के बाद संसेक्स और निफ्टी में ऐतिहासिक तेजी दर्ज की गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबर्दस्त उछाल दिखा है। ऑटो, आईटी, फार्मा, बैंकिंग और मेटल जैसे सेक्टरों में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। यह बाजार प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि निवेशक इस फैसले को भारत की मध्यम अवधि की आर्थिक वृद्धि के लिए सकारात्मक मान रहे हैं। एक्सिस सिब्योरिटीज जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट भी यही कहती है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता चालू खाते के घाटे को कम करने, रुपये को स्थिर रखने और बाहरी ऋणों के प्रति भारत की संवेदनशीलता घटाने में मदद करेगा। बेहतर बाजार पहुंच और टैरिफ नीति में स्थिरता से निर्यात बढ़ेगा, मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश आएगा और एफडीआई को मजबूती मिलेगी। खासकर वे सेक्टर, जिनकी अमेरिकी बाजार में मजबूत मौजूदगी है, उन्हें दीर्घकालिक लाभ मिलने की संभावना है। इसके साथ ही यहां जो अभी सिर्फ भारत के हित में

## शैक्षणिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव का बजट

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026-27 के संघीय बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए कुल 1,39,289.48 करोड़ का अनुमानित प्रावधान किया गया है, जो विकसित भारत-2047 की मजबूत नींव रखने वाला कदम माना जा रहा है। यह राशि कुल बजट व्यय का लगभग 2.6 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष के बजट अनुमान से 8.27 प्रतिशत अधिक है तथा शिक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन है। हालांकि, यह धनराशि एनपीई-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य (शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत व्यय) से काफी कम है लेकिन वृद्धि मुद्रास्फीति से ऊपर होने के कारण एनपीई के क्रियान्वयन, विशेषकर अनुसंधान, नवाचार, स्कीलिंग तथा शिक्षा-रोजगार संबंध स्थापित करने के क्षेत्रों में गति प्रदान करेगा। इस कुल आवंटन को शिक्षा मंत्रालय के दो प्रमुख विभागों में विभाजित किया गया है। पहला- स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को 83,562.26

करोड़ (6.35 प्रतिशत की वृद्धि) और दूसरा- उच्च शिक्षा विभाग को 55,727.22 करोड़ (11.28 प्रतिशत की वृद्धि)। यह वृद्धि एनपीई के मूल सिद्धांतों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य तथा जवाबदेही को सशक्त बनाती है, जहां शिक्षा को बहु-विषयी, लचीली, कौशल-आधारित और समावेशी बनाने पर बल दिया गया है। स्कूल शिक्षा में अब तक का सर्वोच्च आवंटन एनपीई के प्रारंभिक से माध्यमिक स्तर तक की एकीकृत शिक्षा को मजबूत करता है। समग्र शिक्षा अभियान को 42,100 करोड़ प्राप्त हुए हैं, जो पूर्व-प्रार्थमिक से कक्षा 12 तक निरंतर शिक्षा, बुनियादी ढांचा विकास, शिक्षक प्रशिक्षण तथा डिजिटल क्लास रूम पर केंद्रित है। पीएम पोषण योजना को 12,750 करोड़ मिले हैं, जो 11 करोड़ से अधिक बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उपस्थिति बढ़ाती है और कुपोषण घटाती है, जो एनपीई के समग्र विकास लक्ष्य से संरक्षित है। केंद्रीय विद्यालय संगठन को 10,129 करोड़ तथा नवोदय

विद्यालय समिति को 6,025 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देते हैं। नवाचार को स्कूल स्तर पर एकीकृत करने के लिए अद्वैत टिकरिंग लैब्स को 3,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष के 500 करोड़ से उल्लेखनीय छह गुना वृद्धि है। ये लैब्स छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करती हैं तथा साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) आधारित प्रोजेक्ट्स पर कार्य करती हैं, जिससे डॉपआउट दर घटेगी और विज्ञान में रुचि बढ़ेगी। एनपीई के डिजिटल एवं क्रिएटिव शिक्षा फोकस को देखते हुए ईडिजन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज, मुंबई के सहयोग से 15 हजार माध्यमिक स्कूलों तथा 500 कॉलेजों में एवीजीसी (एमिनेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स) कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित की जाएंगी। यह ऑरेंज इकोनॉमी को मजबूत करेगा तथा छात्रों को प्रारंभिक स्तर से अनुसंधान आधारित क्रिएटिव

प्रोजेक्ट्स में शामिल करेगा। उच्च शिक्षा में एनपीई का बहु-विषयी तथा अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण प्रमुख है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों को 17,440 करोड़ तथा यूजीसी को 3,709 करोड़ प्राप्त हुए हैं। आईआईटी, एनआईटी तथा आईआईएम जैसे संस्थानों के लिए बढ़ा फंड एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर केंद्रित है, जिसमें एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 250 करोड़ तथा एआई इन एजुकेशन पहले के लिए 100 करोड़ का प्रावधान है। यह उभरती तकनीकों के एकीकरण को मजबूत करेगा। पीएम रिसर्च फेलोशिप को 10 हजार स्कॉलर्स तक विस्तारित किया गया है, जो युवा शोधकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। पीएम रिसर्च चेंजर योजना के लिए 200 करोड़ तथा पीएम वन नेशनल सब्सक्रिप्शन योजना को 2200 करोड़ मिले हैं, जो शोध पत्रों तथा जर्नल्स तक केंद्रीकृत पहुंच सुनिश्चित करेगी तथा वैश्विक स्तर के अनुसंधान को समर्थन देगी। एनपीई में अनुसंधान एवं विकास पर

जीडीपी का कम से कम 1 प्रतिशत व्यय तथा एनआरएफ (राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन) के माध्यम से मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने का प्रावधान है। इस बजट में उच्च शिक्षा में अनुसंधान आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि से यह लक्ष्य निकट आता दिखाता है। पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप की स्थापना (औद्योगिक गतिविधियों के निकट विश्वविद्यालय, रिसर्च संस्थान, स्किल सेंटर तथा आवासीय सुविधाओं के साथ) इंडस्ट्री-एकेडमिया लिंकेज को मजबूत करेगी, जहां संयुक्त प्रोजेक्ट्स जैसे एआई, बायोटेक्नोलॉजी तथा सर्स्टेनेबल डेवलपमेंट पर कार्य होगा। हर जिले में एक ग्लॉबल हॉस्टल की स्थापना (कैम्पस सपोर्ट से), एसटीईएम में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाएगी, जहां वर्तमान दर अपेक्षाकृत कम है तथा एनपीई की लैमिक समानता को मजबूत करेगी, जहां अनुसंधान जैसे स्पेक्ट्रस साइंस में बायोमैकेनिक्स तथा पोषण पर फोकस होगा।

रिसर्च), पूर्वी भारत में एक नया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी का अपग्रेड एनपीई के बहु-विषयी तथा व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देंगे। एनआईपीईआर फार्मास्यूटिकल रिसर्च पर फोकस करेंगे, जो बायोफार्मा तथा ड्रग डिस्कवरी में भारत को वैश्विक नेता बनाने की दिशा में सहायक होंगे। एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटप्राइज की हाई-पावर्ड स्ट्रैटेजिकमिटी गठित होगी, जो शिक्षा को सेवाओं क्षेत्र (10 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी लक्ष्य) तथा उभरती रिकल्स से जोड़ेगी तथा एआई के प्रभाव का मूल्यांकन करेगी। अन्य क्षेत्रों में 100,000 एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स जोड़ना, तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, वेटनरी शिक्षा के लिए सिस्टीडी तथा खेलो इंडिया मिशन के तहत स्पेक्ट्रस साइंस एनपीई के स्वास्थ, पर्यटन तथा खेल शिक्षा को मजबूत करेंगे, जहां अनुसंधान जैसे स्पेक्ट्रस साइंस में बायोमैकेनिक्स तथा पोषण पर फोकस होगा।

## Social Media Corner

### सब के हक में...



पिछला दशक भारत के लिए अभूतपूर्व रहा है, जिसमें तीव्र विकास और लोकतंत्र का सुदृढीकरण हुआ है। आगामी वर्षों में, वैश्विक विकास के नए इंजन के रूप में भारत की स्थिति और भी मजबूत होगी। जैसे-जैसे दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। अपने विकास को आगे बढ़ाते हुए, हम भारत के अपने मूल्यों और प्राथमिकताओं पर आधारित दृष्टिकोण का अनुसरण करना जारी रखेंगे। 21वीं सदी के इस दशक में भारत सुचारु की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा की सबसे बड़ी ताकत यह है कि हम मजबूती में नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता के साथ सुधारों को आगे बढ़ा रहे हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

18 प्रतिशत टैरिफ बनाम 0 प्रतिशत- आइए समझाएं! कैसे झूठ बोलने में महिष प्रधांमंत्री और उनकी केमिनेट इसार भ्रम फैला रहे हैं। और, किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को बोझा दे रहे हैं। बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर 0 प्रतिशत टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है- शर्त तब इतनी ही है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैं संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया- अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगानी होगी। आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई। और, ये कैसी नीति है। क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है- या फिर आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फसाने वाला जाल। अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

## इस्लामिक जगत में बदलते समीकरण

पश्चिम और दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना इस समय एक गहरे, लेकिन अपेक्षाकृत शांत परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। इसके मूल में विचारधारा से अधिक भू-राजनीतिक यथार्थ, आर्थिक गणनाएं और क्षेत्रीय शक्तियों की बढ़ती आत्मनिर्भरता है। अमेरिका की घटती सुरक्षा भूमिका, यूरोप की आंतरिक विभाजित स्थिति और वैश्विक शक्ति संतुलन में हो रहे बदलावों ने क्षेत्रीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारी स्वयं संभालने के लिए प्रेरित किया है। लंबे समय तक पश्चिम एशिया की सुरक्षा व्यवस्था अमेरिकी नेतृत्व और गारंटी पर आधारित रही, किंतु ट्रंप के कार्यकाल के बाद से अमेरिका की नीति अधिक लेन-देन आधारित और अनिश्चित होती गई है। इससे पारंपरिक सहयोगी देशों को यह महसूस होने लगा कि संकट के समय अमेरिकी हस्तक्षेप स्वतःस्फूर्त नहीं रहेगा। यूरोप भी यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट के कारण इस क्षेत्र में प्रभावी सुरक्षा भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में क्षेत्रीय शक्तियां वैकल्पिक सुरक्षा व्यवस्थाओं की तलाश में हैं। इस बदलते परिदृश्य में एक धारा पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच उभरती निकटता के रूप में दिखाई देती है, जिसे इस्लामिक नाटो भी कहा जा रहा है। पाकिस्तान लंबे समय से सऊदी अरब के साथ रक्षा सहयोग रखता आया है, किंतु हालिया वर्षों में इस संबंध को व्यापक रणनीतिक ढांचे में

बदलने का प्रयास तेज हुआ है। उसकी कोशिश है कि सऊदी संसाधनों और तुर्किये की रक्षा तकनीक के साथ मिलकर एक ऐसा सुरक्षा समूह बनाया जाए, जो अमेरिका पर निर्भरता कम कर सके। हालांकि इस प्रस्तावित धुरी की मजबूती उतनी नहीं है, जितनी उसकी राजनीतिक बयानबाजी से प्रतीत होती है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट में है और उसकी शक्तियें विश्वसनियता सीमित होती जा रही है। भारत के साथ उसका संघर्ष केवल भू-क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैचारिक भी है, जिसे उसकी सैन्य स्थापना अब भी दो-राष्ट्र सिद्धांत के रूप में जीवित रखे हुए है। इसी वैचारिक ढांचे के माध्यम से पाकिस्तान मुस्लिम दुनिया में समर्थन जुटाने की कोशिश करता रहा है, किंतु व्यावहारिक स्तर पर उसे बार-बार यह एहसास हुआ है कि मजहबों एकजुटता अपने आप में स्थायी रणनीतिक समर्थन को गारंटी नहीं देती। इसी तरह अगर अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को विविधीकृत कर रहा है। उसके अमेरिका, चीन, भारत और क्षेत्रीय शक्तियों के साथ समानांतर संबंध हैं। भारत में उसके बढ़ते आर्थिक हित हैं। तुर्किये भी नाटो का सदस्य रहते हुए स्वतंत्र क्षेत्रीय भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा है, जिससे इस प्रस्तावित धुरी में अंतर्विरोध पैदा होते हैं। सऊदी और तुर्किये दोनों ही मुस्लिम दुनिया में नेतृत्व की आकांक्षा रखते हैं, जो उन्हें सहयोगी

से अधिक प्रतिस्पर्धी बनाती है। शायद इसीलिए उसने सऊदी और पाकिस्तान के सैन्य गठजोड़ में शामिल होने से इनकार कर दिया। सऊदी अरब और पाकिस्तान के समानांतर एक दूसरी रणनीतिक साझेदारी भारत, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल के बीच उभर रही है। यह साझेदारी साझा सुरक्षा चिंताओं, तकनीकी क्षमताओं पर आधारित है। रक्षा, खुफिया, समुद्री सुरक्षा, साइबर और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में यह सहयोग धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। यूएई का दृष्टिकोण वैचारिक नेतृत्व के बजाय स्थिरता, प्रतिरोधक क्षमता और आर्थिक विकास को केंद्रित है। यमन से लेकर अफ्रीका के हार्न क्षेत्र तक यूएई ने यह दिखाया है कि वह अपने सुरक्षा हितों को स्वतंत्र रूप से परिभाषित करने के लिए तैयार है, भले ही इसके लिए उसे पारंपरिक सहयोगियों से अलग रास्ता क्यों न अपनाया पड़े। इजरायल के साथ सामाज्यीकरण ने यूएई की क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे में एक नई स्थिति प्रदान की है। भारत के लिए यह साझेदारी रणनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। जहां नई दिल्ली पाकिस्तान द्वारा इस्लामिक जगत में अपनी स्थिति मजबूत करने के प्रयासों को लेकर सतर्क है, वहीं वह इजरायल के साथ दशकों से चले आ रहे संबंधों को यूएई जैसे आर्थिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देश के साथ जुड़ने का भी अवसर देख रही है।

## कुछ जरूरी सवाल

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की खबर से कई भारतीय उद्योगों को साफ तौर पर राहत मिली है। लेकिन, इसके साथ कुछ लगातार और जरूरी सवाल भी हैं, जिनके जवाब भारत के वाणिज्य मंत्री पीवूष गोयल के प्रेस वक्तव्य के बावजूद नहीं मिले हैं। सोशल मीडिया के जरिए शुरुआती एलान, भले ही वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अंदाज के मुताबिक था, भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी एक नया कदम है। पिछले तमाम व्यापार समझौतों के एलान कहीं ज्यादा औपचारिक चैनलों के मार्फत किए गए हैं। भारतीय आयात पर अमेरिकी टैरिफ को मौजूदा 50 फीसद से घटाकर 18 फीसद करने का एलान निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। हालांकि, इस कटौती को लागू किए जाने के वक्त को लेकर तस्वीर अभी तक साफ नहीं है। जहां ट्रंप ने इस कटौती को तुरंत लागू करने की बात कही, वहीं गोयल ने कहा कि विस्तृत विश्लेषण जल्द ही साझा किए जायेंगे। इस बात को लेकर भी काफी असमंजसता है कि यह एक बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पहली किरण या मिनी-डोल है या सिर्फ टैरिफ को प्रभावित करने वाला एक सीमित समझौता है या फिर इन दोनों के बीच कुछ और है। मोदी के रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए सहमत होने संबंधी ट्रंप के दावे पर भी भारत सरकार को जल्द से जल्द जवाब देना चाहिए। गोयल ने अपने वक्तव्य में इस बारे में बात नहीं की। रूस के तेल को पूरी तरह से बंद करने से न सिर्फ भारत को अपने तेल के आयात के लगभग एक तिहाई हिस्से के लिए दूसरे विकल्प ढूढ़ने पड़ेंगे, बल्कि रूस के साथ उसके रिश्तों पर भी असर पड़ेगा, जो लंबे समय से दोस्त और रक्षा उपकरणों का एक अहम आपूर्तिकर्ता है। ऐसा कदम भारत के लिए एक बहुत बड़े बदलाव का संकेत देगा और इसलिए इस पर पहले संसद में चर्चा होनी चाहिए। इसी तरह वेनेजुएला से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने की भी अपनी शोषण (रिफाइनिंग) संबंधी चुनौतियां हैं।

## Another way to protect and attract

Since 1991, when a new generation of economic reforms were initiated, Indian policymakers in successive governments have tried to strike a balance between attracting foreign direct investment (FDI) and protecting domestic businesses, especially small firms in many sectors. Unsurprisingly, this approach has not worked particularly well, though that has not prevented the government from persisting with this approach.

The retail industry is a good sector to understand why this approach typically fails. In the initial reform years, the government worried about what would happen to small neighbourhood retailers, especially grocers, if big-box formats of the kind that were popular in the US, Europe and Southeast Asian countries were to be allowed a free rein in the country.

Therefore, policymakers grudgingly allowed global single-brand retail players to enter the country—calculating that they posed the least threat to small Indian shopkeepers. Big multi-brand players such as Walmart or Carrefour were not allowed to sell directly to customers. Big-box retailers could only come in via the cash-and-carry route, where they sold to smaller shops. The reasoning was that this would be a win-win situation with FDI in retail coming in, while small grocers benefited by buying from the cash-and-carry giants and selling to consumers.

As it turned out, the final outcome has not been quite what the policymakers thought would happen. Domestic companies ushered in big-box retail though the global companies were kept off. Not every homegrown player succeeded. Some expanded quickly but eventually went bust. They were replaced quickly by others. Today, Reliance and the Tata Group are big players in big-box physical retail in several multi-brand formats. Others have also built a significant presence—Radhakishan Damani's DMart in the groceries space is a good example. There are many others jostling for a slice of the pie. In all of this, the small mom-and-pop grocery stores have not been protected. Indeed, they face their biggest threat at present from the homegrown quick-commerce players who are setting up 'dark stores' with fast-moving inventory and offering a service that a small grocery often cannot. Between domestic players like Big Bazaar and quick-commerce players such as Blinkit and Zepto, small Indian grocers are facing exactly the kind of competition that the government thought it would protect them from. Take the case of e-commerce. Here, the government has had multiple policy flipflops. Flipkart, started by domestic entrepreneurs, grew rapidly until capital requirements ensured that the founders sold to Walmart. Meanwhile, US giant Amazon set up and scaled up quickly. This has attracted big Indian groups such as Reliance and Tata to start their own online businesses.

The government has been unable to decide whether players such as Amazon or Flipkart are beneficial to smaller players or are competitors. In a bid to protect small Indian sellers, the government has said that Amazon and Flipkart cannot follow an inventory-led or hybrid model, and should act only as platforms for domestic and other sellers. It also developed the Open Network for Digital Commerce or ONDC, an open platform that is supposed to offer an alternative to Amazon and Flipkart. But so far ONDC has not quite taken off to the extent where it can challenge the big players. Meanwhile, by not allowing Amazon and Flipkart to stock their own inventories and restricting global multi-brand big-box retailers from setting up physical outlets that can sell directly to consumers, the government has essentially throttled FDI in retail. Thus, only a fraction of the potential FDI is trickling in now.

Nor have the small players been protected. It is hard to argue that a Blinkit or a Reliance Smart Bazaar poses less of a threat to small players than an Amazon or a Walmart.

## Trial by fire for Bangladesh

The trouble-torn South Asian nation must put its best foot forward in today's elections

BANGLADESH goes to the polls today — for the second time in two years. The January 2024 elections were practically a sham presided over by then PM Sheikh Hasina, but there is some hope that things will be different this time. The last year and a half has been quite eventful for this vulnerable nation — the July 2024 uprising, Hasina's ouster and escape to India, her old rival Khaleda Zia's demise, the homecoming of the latter's son Tarique Rahman after a long exile in the UK. The February 12 parliamentary elections have been described as a "historic, decisive and future-defining moment" by Muhammad Yunus, the Nobel laureate who is heading the interim government. After years of disputed polls, shrinking democratic space and deepening polarisation, Bangladeshis are being asked to decide whether their country can undergo a democratic revival and build institutions that serve all citizens, not just those in power. At the same time, voters are weighing in on a referendum proposing significant reforms: term limits for the prime minister, stronger checks on executive authority and constitutional safeguards to prevent the consolidation of power. Taken together, these measures promise to herald Naya Bangladesh, if everything falls into place. The challenge for the interim administration is to ensure free, fair, credible and peaceful polls. The presence of hundreds of international observers and foreign journalists shows that Bangladesh is drawing global attention. Compared to previous elections since 2008 — some of which were boycotted or criticised as deeply flawed — this expanded international scrutiny is intended to reassure voters and investors alike. For more than a decade, Opposition parties and human rights groups accused the Hasina government of manipulating elections, silencing critics and narrowing political space. The Awami League's absence from the current contest and the death penalty awarded to Hasina in absentia over alleged crimes against humanity have turned the page on a controversial era. But these developments also raise an uncomfortable question: are these elections a genuine break from the politics of exclusion or simply old wine in a new bottle? Encouragingly, election campaigning has seen

visible efforts to enforce rules, particularly the distinctive black-and-white posters at public places across Dhaka. This symbolises commitment — however tentative — to procedural fairness.

The re-emergence of dynastic politics has complicated the narrative of renewal. Bangladeshi politics has long revolved around two families/parties: Hasina's Awami League and the Khaleda Zia-led Bangladesh Nationalist Party (BNP), now helmed by Tarique Rahman. With the Awami League out of the picture, the BNP is the obvious frontrunner. Rahman has vowed to restore democratic institutions and revive the economy. He has also sought the support of all stakeholders to build a prosperous and

Hasina's government. The question now is whether all that youthful energy can evolve into sustained democratic engagement. Public wrath can overthrow autocrats; rebuilding a democratic framework requires patience as well as compromise.

Globally, Bangladesh's trajectory matters a lot. As one of South Asia's most populous nations and a key player in regional economics and geopolitics, its stability — or lack of it — affects neighbouring India and beyond. A credible election could enhance Bangladesh's standing and attract investment at a time when economic revival is urgently needed. Conversely, a contested or exclusionary outcome would risk renewed unrest and diplomatic



strain. India remains non-committal on Hasina's extradition, which is a knotty bilateral issue, but it has reached out to the BNP. External Affairs Minister S Jaishankar attended Khaleda's funeral in December and handed over PM Narendra Modi's letter of condolence to Tarique Rahman. Considering that Delhi-Dhaka relations had come under strain during Khaleda's tenure, India would be keen to make a fresh start if Rahman comes to power. Delhi also has to contend with the machinations of Islamabad, which is going all out to win over Dhaka, notwithstanding the historical baggage of 1971. The US and China are among the other key stakeholders.

According to the US Ambassador to Dhaka, Brent T Christensen, America is concerned about China's expanding presence in South Asia and is planning to offer defence systems to Bangladesh's next government as alternatives to Chinese equipment. Moreover, Bangladesh has secured a reduced 19 per cent tariff under a trade agreement with the US. For the moment, Bangladesh must put its best foot forward. If the election mandate spurs transparency, accountability and genuine reform, it could mark the birth of a resilient democracy. However, if things go wrong, it will only deepen the divide and signal the start of another disturbing chapter for the trouble-torn nation.

## Social media rules

The Tribune Editorial: Negotiating tech offensive has its complexities

THE tightening of rules governing social media increases the responsibility of digital companies and platforms regarding deepfakes and content generated through artificial intelligence. The latest changes in the law follow complaints of sexualised images produced by an AI bot. Effective from February 20, it will be mandatory to place prominent labels on AI-generated content. Major platforms will also have to get a declaration from users confirming whether the content being shared is AI-generated. It's a step in the right direction. Also, any illegal or misleading AI content will have to be removed or blocked within three hours. The time limit was 36 hours previously. The complex logistics of this mandate apart, the question of who determines what is objectionable online — or what passes muster and on what basis — remains a point of contention. There are legitimate concerns



regarding suppression of free expression. As artificial intelligence makes long and fast strides in digital domination, framing effective regulatory controls poses a

tough task. For the AI industry itself, consistently upholding ethical frameworks as their technologies scale in a highly competitive market is a demanding ask. The resignation of a safety researcher at a leading company, citing his disagreement with the unchecked acceleration of controversial projects, points to the pitfalls of technological advancements. The moral dilemma is stark, and there are no easy answers.

In the US, a landmark trial has begun that is examining the mental health effects of Instagram and YouTube. The world's largest social media companies have been accused of creating addiction machines. 'We're seeing more and more young people who experience not just psychological distress, but physical distress, when their devices are taken away,' a leading expert remarked. The observation can find resonance across the globe. That's how challenging the tech offensive is.

## Why Parliament needs quiet conversations

The absence of dialogue between the ruling dispensation and the Opposition is visible in Rahul Gandhi's reference to Naravane's work

THE disruption in the Lok Sabha that prevented a discussion on the Budget is over. A new chapter of bitterness, though, has begun, with the Opposition moving a no-confidence motion against Speaker Om Birla. All through this Lok Sabha session, the Opposition has targeted Birla for not giving sufficient time to it in the chamber's proceedings. Since the beginning of this Budget Session, the Congress has been particularly aggrieved that Leader of the Opposition Rahul Gandhi has not been allowed to speak. Gandhi wanted to focus on excerpts from the book 'Four Stars of Destiny' written by a former Army Chief, General Manoj Mukund Naravane. The book is not formally in the public domain. It is yet to be cleared by the Ministry of Defence (MoD). General Naravane has said that it was sent for clearance to the MoD by the publishers. Gandhi has shown a hard copy of the work in Parliament's premises. Soft copies of the book are circulating on the internet. The Delhi police have lodged an FIR to investigate how the book is available on the internet if it has not been approved for publication. The government has taken the position in the Lok Sabha that Gandhi cannot refer to a book which has not been cleared for publication. This may be technically correct, but the government would be aware that what General Naravane has purportedly written in the book regarding India-China clashes in Eastern Ladakh in 2020 is circulating among the public. This would inevitably lead to many people making up their minds on the issue without having the benefit of the government viewpoint.

With regard to memoirs, a point may be made. Military and civilian officers who have held sensitive and senior positions have to eschew the temptation of treading into the territory of confidential information while penning their memoirs. They also have to be conscious that their interaction with the political leadership, while they were in service, was always based on trust. It is a matter of honour and obligation that this trust between the military

and civilian officers and the political leadership is always maintained while in service or after retirement. The system will be greatly impaired if details of meetings of Cabinet committees or the decision-making processes, especially on matters of national security, are revealed. Even if these officers feel that political leaders erred or that they were let down, they do not have the luxury or liberty to break that trust after their retirement.

Senior military and civilian officers have to be conscious of their remit. Thus, civilian officers need to be conscious that decisions given to them have to be interpreted by them within their area of responsibility. And, military officers have to refract decisions or advice of the political leadership strictly within the confines of their military responsibilities. They cannot view them from any other perspective. Thus, if a matter is left to their discretion, it is to be interpreted by them narrowly in the context of their military duties and not be extended to the diplomatic and political domains. That is the jurisdiction of other institutions of the state. Military leaders have to assume, in such situations, that the discretion given to them has been only after the political leadership has taken the nation's interest in the diplomatic and political spheres into account. The recent impasse in the Lok Sabha and the motion against Birla once again highlights the absence of sufficient communication between different elements of the political class. Yes, there is a degree of contact during Parliament's sessions so that it can function even if only to a minimal extent.

However, the lack of communication on issues is obvious. This is in contrast to what prevailed in the past. Former civil servants can recall that leaders in the government and the Opposition kept in touch with each

some instances, the leaders communicated directly with one another while in other cases, through trusted aides.

The bitterness, rancour and invective now witnessed almost daily among the leaders of the ruling dispensation and the Opposition indicates that the tradition of being in communication with one another is either absent or not as much as it should be. This is particularly damaging to national interest because the country is facing grave strategic challenges. The absence of dialogue between the ruling dispensation and the Opposition is visible in Gandhi's reference to Naravane's work. Once Gandhi had referred to it, the government could have told him that it could not agree to any discussion based on the work, but that it was willing to brief him on the reasons which have led it to not give clearance to the work. It could have briefed him in confidence about the important incidents in Eastern Ladakh, including those which have been purportedly mentioned in the work. After all, the members of the political class are all committed to the nation's interest. They all have a sense of what can be disclosed and what has to be kept secret. I recall an incident which occurred in the Standing Committee on External Affairs chaired by former Prime Minister I K Gujral. It illustrated that the political class knows what can be disclosed and what has to be held back. Foreign Secretary K Raghunath was being questioned about India's assistance to the Northern Alliance. Members were getting impatient with Raghunath's sparse answers; Gujral stepped in to say that he knew what the MEA was doing and closed the discussion. No member protested.



other on issues of national significance. I remember occasions during my diplomatic career when the government briefed leaders of the Opposition before embarking on a major diplomatic initiative or when the nation faced a sudden crisis.

This was done not because such an outreach would prevent the ebb and flow of politics on the issues on which these briefings were done, but because they gave an understanding to all sections of the political class of the challenges and opportunities relating to these issues. In

## Looking for a Job You could get Rs 1,500 monthly under the Yuva Sathi scheme

New Delhi.(Agency)

New Delhi.(Agency)

The West Bengal government's "Banglar Yuva Sathi" scheme aims to provide financial support of Rs 1,500 per month to unemployed youth while they search for jobs or pursue skill development opportunities. The programme is expected to be rolled out from April 1, 2026, with applications being accepted through special registration camps. Under the scheme, educated unemployed individuals aged between 21 and 40 years who have passed at least the secondary (Class 10) examination can apply for the allowance. Applicants must also be residents of West Bengal and should not be receiving benefits from most other state welfare schemes, although certain scholarships will not affect eligibility. The monthly stipend will continue until the beneficiary finds employment or for a maximum period of five years, whichever comes first. The financial assistance is intended to help young job seekers meet basic expenses and remain connected to employment opportunities and skill-building programmes. To apply, eligible candidates must submit documents such as identity proof, bank account details, photographs, and educational certificates during the registration process. The initiative is part of the state government's broader effort to support unemployed youth and improve workforce participation through targeted assistance programmes.

## Ixigo to acquire 60% stake in Spanish train booking platform Trenes

New Delhi.(Agency)

Travel aggregator Ixigo's board has approved the acquisition of a 60 per cent stake in Spain's second-largest train booking platform Online Travel Solutions (Trenes), for 11.70 million euro (over Rs 125 crore). The proposed acquisition will help leverage Ixigo's product, technology and AI leadership in the European OTA market as Trenes is engaged in the business of providing an online platform for train ticket bookings, primarily catering to the Spanish market, with operations extending to certain other parts of Southern Europe.

Consequent to the acquisition, Online Travel Solutions, S.L. will become a step-down subsidiary of Ixigo, it stated in a late-night regulatory filing on Friday. The board of directors of Ixigo also approved the acquisition of a 45.02 per cent stake in Squad As Service, S.L., Spain (Sqaas) for a total consideration of 0.45 million euro (over Rs 4.83 crore).

The total consideration for both acquisitions includes non-compete fees and authorisation of the signing of definitive agreements, subject to completion of procedural formalities and regulatory requirements in Spain. After the acquisition, Squad As Service, S.L. (Sqaas) will become an associate company of Ixigo. Sqaas is engaged in the business of providing technology-driven solutions, with a focus on artificial intelligence-enabled software and related services.

## Infosys declares 85% average Q3 bonus for employees after strong results

New Delhi.(Agency)

Infosys has announced an average organisation-wide performance bonus payout of 85 per cent for the quarter ended December, according to a report by the Economic Times. This offers a morale boost to employees at a time when technology stocks are under pressure over concerns that artificial intelligence could automate large portions of IT services work. The payout will be disbursed along with the February salary, according to an internal communication rollout, the report noted.

Employees said individual payouts ranged between 75 per cent and 100 per cent of target variable pay. Some reported receiving up to 15 per cent more than in the previous quarter, while a few said they received the full 100 per cent. The company had paid an average of 75 per cent of the target bonus for the July-September quarter. According to a person aware of the matter, who spoke to The Economic Times, the payout is the highest in FY26 so far and exceeds any quarter in the previous financial year.

### Strong business performance

The higher payout follows a quarter marked by steady business momentum and deal wins. While announcing its third-quarter results in January, the company raised its revenue guidance, citing a strong performance and favourable demand environment.

At a town hall meeting last month, Chief Human Resources Officer Shaji Mathew had indicated that employees could expect improved variable pay compared with earlier quarters. Infosys has around 323,000 employees. The company completed its appraisal cycle for the period November 2024 to October 2025 and released individual ratings in December.

### Awaiting clarity on salary hikes

Employees are now awaiting communication on annual salary revisions. Ahead of the town hall, several had sought clarity on timelines for increments. Last year, the company issued salary revision letters in February, granting raises of between 5 per cent and 8 per cent to most employees, depending on performance ratings. The latest payout comes even as technology shares witnessed volatility on concerns that rapid advances in AI could reshape demand for traditional IT services. However, the improved bonus may help stabilise employee sentiment within the sector.

# IndiGo plans to hire over 1,000 pilots after December flight crisis

**Hiring comes after over 5,000 flight cancellations in December 2025 due to new DGCA rest rules; airline increases crew strength, training and schedule buffers to avoid repeat disruptions**

New Delhi.(Agency)

India's largest airline, IndiGo, is planning to hire more than 1,000 pilots in one of the biggest recruitment drives undertaken by an Indian carrier, according to a report by The Economic Times. The move comes in the aftermath of widespread flight disruptions in December 2025, when the airline was forced to cancel over 5,000 flights in seven days after facing an acute shortage of crew. The crisis followed the implementation of revised pilot duty and rest norms by the civil aviation regulator. The fresh recruitment will include trainee first officers, senior first officers and captains, according to the notice on the

company's website. One of the hiring notices also states that the airline is open to recruiting pilots without prior experience on the Airbus A320 aircraft, the primary aircraft type in its fleet. Scrutiny following the flight crisis The disruption stemmed from new rest regulations introduced by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA). The rules capped the number of landings a pilot can perform between midnight and 6 am and increased weekly rest requirements.

An investigation by the regulator found that IndiGo had not adequately scaled up hiring or accelerated training to align with the new norms. As a result, pilots were stretched thin, with frequent reassignments, longer duty hours and extended "deadheading", where crew travel as passengers to operate flights from another location.

The DGCA's probe highlighted what it described as an overriding focus on 'maximising utilisation of crew, aircraft

and network resources', which significantly reduced roster buffer



argins. Crew rosters were structured to maximise duty periods, relying heavily on tail swaps, extended duty patterns and minimal recovery time. This, the regulator said, compromised roster integrity and weakened operational resilience.

The investigation revealed that while IndiGo required 2,422 captains to operate its schedule, it had 2,357 at the time. However, after the crisis, DGCA granted temporary exemptions from night-duty

restrictions until February 10 to ease immediate operational pressures.

Expanding the training pipeline

The report cited a senior official as saying that the airline is now proactively building a pipeline of pilots to match its rapid aircraft induction plan. IndiGo inducts around four new aircraft every month and requires a steady expansion of crew to sustain high utilisation levels.

The airline upgrades approximately 20 to 25 first officers to captains each month through its internal training pipeline. However, trainee first officers require about six months of training before they can operate as full-fledged first officers. Only those with a minimum of 1,500 flying hours are eligible for captaincy, though airlines may impose higher thresholds. While the DGCA mandates three sets of pilots per aircraft, including one captain and one first officer in each set, IndiGo's high aircraft utilisation means its effective requirement is more than double that baseline.

## Salary hike denied, surveillance increased — Tech worker's post sparks debate

New Delhi.(Agency)

A technology professional recently shared frustration online after their company reportedly skipped annual salary increments while introducing employee-monitoring software that captures screenshots every 10 minutes. The post, shared on social media, quickly gained attention and sparked debate about workplace surveillance and employee morale. According to the employee, the company described the monitoring tool as a productivity-tracking measure, designed to ensure that employees remain focused during working hours. The software allegedly records screen activity at regular intervals, allowing managers to review how time is spent on work tasks. The incident triggered strong reactions online, with many users

questioning whether constant digital monitoring could undermine trust between employers and employees, especially in remote or hybrid work



environments. Some commenters argued that productivity should be measured by output rather than continuous surveillance, while others

said companies are increasingly adopting such tools to manage distributed teams. Employee-monitoring software has become more common in recent years as organisations try to track productivity, improve compliance, and reduce data-security risks. However, the growing use of such tools has also raised concerns about privacy, workplace culture, and job satisfaction in the evolving post-pandemic work environment. Overall, the viral post reflects a broader conversation about how far companies should go in monitoring employees, particularly when compensation growth slows and workplace expectations continue to shift.

## After months of delay, Wipro announces salary hikes for employees



MUMBAI.(Agency)

IT services major Wipro will begin implementing salary hikes for employees from March 1, 2026, ending a delay in increments that had been expected earlier. The decision was communicated internally to employees and is expected to bring relief to the company's workforce.

The salary revision had earlier been

deferred from September, reflecting the cautious approach taken by many companies in the Indian IT sector amid uncertain global demand and geopolitical challenges. While the company confirmed that all employees will receive the salary increase, the exact percentage of the hike has not been disclosed yet. The move comes at a time when several IT firms have been

**The salary revision had earlier been deferred from September, reflecting the cautious approach taken by many companies in the Indian IT sector amid uncertain global demand and geopolitical challenges.**

careful about compensation decisions due to slower business growth and pressure on margins. For instance, some companies postponed appraisal cycles or implemented modest increments as they navigated market uncertainty.

Overall, Wipro's decision to resume increments signals a gradual return to the normal appraisal cycle in the IT industry, even as companies continue to monitor global economic conditions and client spending trends.



long break in contribution. To claim the EDLI benefit, the nominee or legal heir must submit Form 5 IF along with required documents, such as the death certificate, bank details, and identity proof, through the employer or directly to the EPFO office. Once verified, the EPFO processes the claim and releases the insurance amount to the nominee.

The EDLI scheme remains one of the less-known but important social security benefits available to EPF members, providing financial protection to families without any extra cost to employees.

# Will AI change how you invest your money in stocks and mutual funds

**The next market shift may not come from earnings or interest rates. It may come from AI. In this article, we explore how it could reshape your stock and mutual fund investments.**

New Delhi.(Agency)

Every investing era has a moment when markets realise the rules are changing. For the dot-com boom, it was bandwidth. For smartphones, it was mobile data. For cloud computing, it was subscription software. Now, the defining force of this cycle is artificial intelligence or AI. AI has been affecting how companies hire, allocate costs and plan productivity improvements. The shift was visible inside boardrooms. But it had not yet truly made its presence felt on global equity markets. That changed last week. The trigger was a product launch in the United States. Anthropic, the AI company behind the Claude models, introduced tools capable of drafting contracts, reviewing compliance documents and writing software code. These are tasks that sit at

the core of global IT services. Investors reacted immediately.

Technology stocks in the United States turned volatile as markets reassessed business models built around human expertise. The concern was not about falling demand. It was about automation accelerating. Dalal Street is feeling the heat too. In a single week, the Nifty IT fell roughly 8%. Shares of IT giants Infosys and Tata Consultancy Services (TCS) dropped sharply. Nearly \$50 billion in market value was erased. Nothing collapsed. No crisis erupted. But markets have begun pricing in a new possibility. That AI may alter how value is created.

But there is a quieter question beneath the sell-off. Is AI also slowly reshaping how we look at investments?

### AI-DRIVEN PANIC

The correction in IT stocks was not triggered by weak earnings or macroeconomic shock. It was driven by a reassessment of future business models. For decades, Indian IT companies have grown through a labour-intensive

services model. Revenue has been closely linked to skilled engineers building, maintaining and modernising enterprise software systems. More complexity meant more billable hours. More billable hours



meant more revenue. Advanced AI tools challenge that structure.

If coding, testing, documentation, and parts of integration can be automated or accelerated, the revenue equation shifts. Investors are not waiting for confirmation. They are adjusting expectations. That is what markets do when they sense structural change.

### BUT IS AI REALLY A THREAT?

The pessimistic argument is straightforward. If AI enables enterprises to build and manage software internally with far less effort, external IT services

providers and even some software businesses could face erosion of their core model. In its extreme form, this view suggests that traditional IT services could become structurally obsolete. But according to N. Aruna Giri, CEO of TrustLine Holdings, that conclusion may be overstretched. "There are currently two sharply contrasting views on the impact of AI in the IT services and software space," he told India Today.in. "On the more pessimistic side, the argument is that AI will enable enterprises to develop software in-house with significantly less effort. In its extreme form, this suggests a structural erosion of traditional IT services and software providers."

# Show that PM CARES: Congress books PM's flight ticket from Assam to Manipur

**Congress leader Pawan Khera has urged Prime Minister Narendra Modi to visit violence-hit Manipur during his North-East trip, highlighting the ongoing unrest since 2023.**

**New Delhi.(Agency)**  
A sharp political barb from the Congress has brought Manipur back into national focus, with party leader Pawan Khera urging Prime Minister Narendra Modi to visit the violence-hit state during his trip to the North-East. In a post on X, Khera wrapped his appeal in sarcasm, saying that while "poll-bound states are always your top priority", Manipur "should not be abandoned". He added, "The state has been burning since 2023, and it is burning again."

The remarks came as the Prime Minister is in Assam to inaugurate and flag off development projects worth over Rs 5,450 crore. Khera pointed to the proximity of the two states, writing, "You are

**Guwahati - Imphal**  
Sat, 14 Feb 2026 • Non stop • 1h 0m duration

PNR	YBLSVT	AIR INDIA EXPRESS
-----	--------	-------------------

Guwahati GAU 15:55 hrs Sat, 14 Feb  
Imphal IMF 16:55 hrs Sat, 14 Feb

Check-in: 15 Kgs (1 piece only) per Adult  
Cabin: 7 Kgs per Adult

TRAVELLER: MR. NARENDRA MODI  
SEAT: 1A

already in Assam today. Manipur is just an hour away. Please go there as well. The presence of the Prime Minister can go a long way in reassuring



flight for the Prime Minister from Guwahati to Imphal. "To make it easier for you, we have even booked your flight from Guwahati to Imphal, you just have to get on the plane," he wrote, sharing what he described as a flight ticket. "As I do not have your number, I am sharing your flight ticket here. Kindly use it and show that the 'PM CARES'," he added, in a swipe at the Centre. The post quickly drew sharp reactions online, with supporters amplifying the demand for a prime ministerial visit and critics questioning the tone of the message.

Manipur has witnessed prolonged unrest since 2023, with periodic flare-ups intensifying political tensions. Opposition parties have repeatedly criticised the Centre's handling of the situation and called for a direct intervention by the Prime Minister, while the government has maintained that efforts are underway to restore peace and normalcy. Khera's remarks seek to sharpen that demand, arguing that a visit by the Prime Minister would send a message of reassurance to residents of the strife-torn state. There was no immediate response from the Prime Minister's Office to the Congress leader's post.

## Delhi HC transfers Priya Kapur's defamation suit against sister to family property bench

**New Delhi.(Agency)**  
A Delhi court on Thursday extended the judicial custody of Al Falah University Chairman Jawad Ahmad Siddiqui by 14 days in a case being investigated by the Enforcement Directorate (ED) in connection with the Red Fort terrorist attack. The November 2025 terrorist car bomb attack near Delhi's Red Fort, which killed at least 15 people, was carried out by operatives employed as doctors at Al Falah University. Large amounts of explosives were seized from the university campus hours before the attack, and the campus in Faridabad emerged as a key hub in the terror conspiracy in the probe. The court directed that Siddiqui remain in judicial custody until the next hearing on March 27.

During the proceedings, the court also issued a notice to the Enforcement Directorate on a plea filed by Siddiqui. In his application, he sought copies of documents related to the prosecution complaint (chargesheet) filed in the case, urging the court to direct the ED to furnish all documents relied upon in the complaint to enable him to prepare his defence. The court took the plea on record and asked the central agency to respond.

## PWD's signature roundabout project delayed due to GRAP restrictions in Delhi

**New Delhi.(Agency)**  
Pollution-related curbs on construction activity have delayed the PWD's roundabout beautification project, with a fresh deadline now set for next month, government officials said on Friday. "Our target is to complete work at more than 40 roundabouts, likely by the end of March this year. Due to GRAP restrictions, work was stalled for several days. Hence, the project deadline has been slightly shifted," an official said.

The PWD, in the first week of November last year, launched a beautification initiative under which 41 major roundabouts across the city are being themed on different States and Union Territories (UTs). The project aims to showcase India's cultural, architectural, and historical richness, ensuring that the heart of Delhi reflects the spirit of the entire nation. According to officials, work is progressing rapidly at several locations. However, concerns over the security of installed items were discussed in a recent meeting with senior government officials. The project was originally scheduled for completion by late January 2026, ahead of the peak tourist season, but was delayed due to the implementation of the Graded Response Action Plan (GRAP). The revised deadline is now the end of March. "The initiative is expected to enrich Delhi's visual identity and reinforce its image as a true capital that reflects the cultural spirit of the entire country," the official added.

"We have seen that within a few months of completing projects, issues such as theft, sanitation, maintenance arise. PWD is an engineering agency concerned with roads and buildings; controlling theft is a law-and-order matter," he said.

In the past, the PWD has faced theft of electrical parts and iron grilles, along with damage to horticulture items at major locations. Expensive installations inside Pragati Maidan Tunnel, parts of escalators on foot overbridges, and electric wires of musical fountains on Mathura Road have also been stolen or damaged, rendering them unusable. Officials said a policy decision is needed to address these concerns. Under the plan, each roundabout will highlight the distinctive art, heritage, and traditions of different States and UTs. Designs include Rajasthan's forts and palaces, Odisha's Konark Sun Temple, Uttar Pradesh's Ayodhya Ram Temple, Kerala's backwater-inspired patterns, Gujarat's Statue of Unity, and bamboo artistry from the North-East.

## PWD proposes 10 infras projects to decongest some of Delhi's busiest corridors

**New Delhi.(Agency)**  
Infamous for traffic congestion, key arterial stretches like Mathura Road, Ring Road, SP Mukherjee Marg near Old Delhi railway station, Mehrauli-Mahipalpur Road, Rani Jhansi Road, MB Road, Dwarka and Aurobindo Marg are likely to undergo a mega upgrade in the coming year. The Public Works Department (PWD) has proposed at least 10 major infrastructure projects to decongest some of the city's busiest and critical corridors to provide smooth connectivity between North-South, South-Central as well as Old Delhi and Delhi-NCR, officials said.

redevelopment plan at critical choke points to ease traffic movement and provide smooth connectivity between arterial stretches," said a senior PWD official. "These proposals are in the initial stage and have been discussed in multiple meetings. After the department gets heads up from the higher authorities, it will appoint consultants to conduct feasibility study and prepare a detailed project plan," said the official.

According to an official document, the PWD has proposed an elevated corridor parallel to the Outer Ring Road with suitable slip roads for entry and exit. The Outer Ring Road — a 47-km-long stretch that encircles the Capital anti-clockwise, starting from North Delhi's Civil Lines and ending at South East Delhi's Kalindi Kunj — passes through some prominent locations in South Delhi, including Modi Mill, IIT flyover and RK Puram among others. "With the increasing number of people, houses and vehicles on the road, the Outer Ring Road is facing heavy traffic. It has around 14 junctions that see heavy traffic throughout the day. Some of these include Subroto Park, Vasant Kunj, Munirka and the Okhla to IIT stretch. These stretches also provide connectivity to IGI Airport, Gurgaon, Faridabad and Noida," said the official.

## Punjab clarifies inquiry into Atishi's Sikh Gurus remarks after Delhi Assembly privilege row

**Officials stated that before this communication, the Department of Home Affairs had not received any direct correspondence from the Assembly Secretariat on the issue.**

**New Delhi.(Agency)**  
The Punjab government has issued a formal clarification regarding the ongoing inquiry into alleged remarks made by Atishi related to Sikh Gurus, officials said on Friday. According to the office of the Additional Chief Secretary (Home), the clarification comes in response to a communication dated February 5 from the Delhi Legislative Assembly Secretariat, which had sought written comments from Punjab in a breach of privilege and contempt matter.

Officials stated that prior to this communication, the Department of Home Affairs had not received any direct correspondence from the Assembly Secretariat on the issue. However, the

department facilitated legal and technical reviews, and comments from the Director General of Police, Punjab, the Commissioner of Police, Jalandhar, and the state Forensic Science Laboratory have already been forwarded to authorities in Delhi.

A comprehensive reply from the Additional Chief Secretary is being

finalised and has been sent for approval of the competent authority, officials said.

The matter was earlier referred to the Committee of Privileges by Speaker Vijender Gupta on February 4, following a complaint by Minister Kapil Mishra. The Speaker observed a prima facie case of breach of privilege and contempt.

The controversy arose after the Punjab Police registered an FIR based on a complaint alleging that a video of Assembly proceedings had been doctored. However, the Speaker noted that Assembly proceedings fall under legislative privilege and should have been verified with the Secretariat before any police action. He also termed the police response unsatisfactory and flagged the non-submission.

## In MCD's 17,583-cr Budget, sanitation, education get top allocations

**At Rs 4,797 crore, the sanitation sector gets the highest allocation, followed by the education sector, which gets Rs 3,265 crore.**



**New Delhi.(Agency)**  
The Municipal Corporation of Delhi (MCD) on Friday passed an overall budget of Rs 17,583 crore for 2026-27 with an addition of nearly Rs 1,000 crore to the estimates presented in December last year. At Rs 4,797 crore, the sanitation sector gets the highest allocation, followed by the education sector, which gets Rs 3,265 crore.

The public health and medical aid sector gets an allocation of Rs 1,925.6 crore. The Engineering department has been allocated Rs 1,884.43 crore, marking the fourth-largest allocation. The overall budget is around 3.4% higher than last year's 17,002 crore. As he presented the Budget, Leader of the House Praveesh Wahi highlighted multiple new initiatives — ranging from property tax relief in rural areas to the regularisation of daily wage employees. He underlined that no new taxes have been added. The Budget was presented following deliberations with the Standing Committee chairpersons, the Opposition and all the councillors, he said.

Highlighting that sanitation and environmental management remain top priorities, Wahi announced that Bhalswa and Okhla landfill sites will be cleared by the end of 2026, and the Ghazipur landfill by the end of 2027.

Mayor Raja Iqbal Singh said, "The Budget has been prepared keeping in mind the needs and expectations of the residents of Delhi." Wahi announced tax relief and benefits for rural areas, outlining that ancestral houses — up to 500 square meters — in 49 villages declared fully "rural" will be granted complete exemption from house tax. In urban villages, he said, property tax on residential buildings — up to 200 square meters — owned by original residents will be waived.

## Djinns, occult rituals to treat kidney stones: Cops gather proof against 'godman' arrested over Peeragarhi car deaths

**New Delhi.(Agency)**  
A piece of paper containing a mantra to summon djinns as well as occult rituals to treat kidney stones and impotency, pictures of women holding placards declaring their 'virginity' status: these are part of the evidence that the Delhi Police has gathered against self-styled godman Kamruddin, who was arrested on Wednesday for killing three persons in Outer Delhi after promising them quick money. Kamruddin was arrested after the bodies of Randhir Singh (76), Shiv Naresh Singh (47) and Laxmi Devi (40) were found dead inside a car on Peeragarhi flyover on Sunday. He allegedly fed the trio sweets laced with poison and fled with their cash amounting to Rs 2 lakh. Police said that after his death, a piece of paper was found on Naresh in which a 100-word mantra was written, allegedly to summon a djinn. The phrase started with a line 'husn ki Pari', and mentioned the word 'djinn' more than three times, they added.

"A diary was also recovered from Laxmi, which had details of multiple women: from measurements of the body parts to a history of the surgeries they have undergone and the medications they took," said a senior officer.

"Multiple pictures of these women were recovered from Laxmi's phone. They were holding placards containing their personal details. Based on these details, Kamruddin would choose a 'perfect' woman: someone who is 'untouched' before marriage and has never been bitten by an animal," the officer added. "Kamruddin would then tell the victims that if they pay him Rs 2 lakh, a djinn would make 'physical' contact with one of the 'selected' women, and they would experience dhanvarsha," the officer further said.

Police said Kamruddin claimed to treat

medical problems as well via occult practices. He allegedly charged between Rs 5,000 and Rs 7,000 to treat kidney stones.



"He would put a cloth around the stomach of the patient. He would then clench his fist, hiding a stone and wet sindoor, and move the same under the cloth. He would then take out his hand and open it. People would see his red-coloured hand and a stone, and assume

that it's blood from the kidney," the officer said.

Kamruddin allegedly operated a 'tantric' centre in Loni in Ghaziabad and Firozabad. Police said that over the years, Kamruddin had amassed enough money to open a restaurant in Loni and a marriage hall in Firozabad for two of his sons. He was also very well aware of his surroundings, often asking his victims to drop him off in deserted areas with no CCTV cameras. "He was tracked after we found Laxmi's phone... She had sent Kamruddin's location to Naresh on the day of their meeting. When our team reached Loni, he tried to jump off a 15-foot wall to escape," the officer said. Maintaining that several unsecured contacts have been found from Kamruddin's analogue cell phone, the officer added, "He didn't save any number to avoid being traced. He would memorise important ones."

## NEWS BOX

## 22-year-old Indian student goes missing in US

NEW YORK. (Agency)

A 22-year-old Indian postgraduate student has gone missing in the US state of California, prompting efforts by authorities to locate him. Saketh Sreenivasaiah, a UC Berkeley student hailing from Karnataka, disappeared on Tuesday, local media reported, quoting the police. His backpack, with his passport and laptop, was found on a doorstep in the Park Hills neighbourhood. The Berkeley Scanner news portal reported. The Indian consulate in San Francisco expressed deep concern about his disappearance. "...deeply concerned about the disappearance of Saketh Sreenivasaiah, an Indian postgraduate student of UC Berkeley, hailing from the State of Karnataka," it said in an X post. The Consulate is in touch with the family and also is in contact with the concerned local authorities to locate the student," it added.

Sreenivasaiah was last seen in the 1700 block of Dwight Way, the report quoted police as saying.

He is described as approximately 6 feet 1 inch tall, weighing around 73 kilograms, with short black hair and brown eyes. Police urged anyone with information about Sreenivasaiah to notify local law enforcement.

## Widespread arrests roil Iran weeks after security forces crushed protests

CAIRO. (Agency)

The Iranian security agents came at 2 am, pulling up in a half-dozen cars outside the home of the Nakhii family. They woke up the sleeping sisters, Nyusha and Mona, and forced them to give the passwords for their phones. Then they took the two away.

The women were accused of participating in the nationwide protests that shook Iran a week earlier, a friend of the pair told The Associated Press, speaking on condition of anonymity for her security as she described the Jan. 16 arrests. Such arrests have been happening for weeks following the government crackdown last month that crushed the protests calling for the end of the country's theocratic rule. Reports of raids on homes and workplaces have come from major cities and rural towns alike, revealing a dragnet that has touched large swaths of Iranian society. University students, doctors, lawyers, teachers, actors, business owners, athletes and filmmakers have been swept up, as well as reformist figures close to President Masoud Pezeshkian. They are often held incommunicado for days or weeks and prevented from contacting family members or lawyers, according to activists monitoring the arrests. That has left desperate relatives searching for their loved ones.

The US-based Human Rights Activists News Agency has put the number of arrests at more than 50,000. The AP has been unable to verify the figure. Tracking the detainees has been difficult since Iranian authorities imposed an internet blackout, and reports leak out only with difficulty. Other activist groups outside Iran have also been working to document the sweeps. "Authorities continue to identify people and detain them," said Shiva Nazarahari, an organizer with one of those groups, the Committee for Monitoring the Status of Detained Protesters. So far, the committee has verified the names of more than 2,200 people who were arrested, using direct reports from families and a network of contacts on the ground. The arrestees include 107 university students, 82 children as young as 13, as well as 19 lawyers and 106 doctors.

## US Prepares For Potential Weeks-Long Operations Against Iran: Report

World. (Agency)

The US military is preparing for the possibility of sustained, weeks-long operations against Iran if President Donald Trump orders an attack, two US officials told Reuters, in what could become a far more serious conflict than previously seen between the countries. The disclosure by the officials, who spoke on condition of anonymity due to the sensitive nature of the planning, raises the stakes for the diplomacy underway between the United States and Iran. US and Iranian diplomats held talks in Oman last week in an effort to revive diplomacy over Tehran's nuclear programme, after Trump amassed military forces in the region, raising fears of new military action. US officials said on Friday the Pentagon was sending an additional aircraft carrier to the Middle East, adding thousands more troops along with fighter aircraft, guided-missile destroyers and other firepower capable of waging attacks and defending against them. Trump, speaking to US troops on Friday at a base in North Carolina, said it had "been difficult to make a deal" with Iran.

"Sometimes you have to have fear. That's the only thing that really will get the situation taken care of," Trump said. Asked for comment on the preparations for a potentially sustained US military operation, White House spokesperson Anna Kelly said: "President Trump has all options on the table with regard to Iran."

"He listens to a variety of perspectives on any given issue, but makes the final decision based on what is best for our country and national security," Kelly said. The Pentagon declined to comment.

The United States sent two aircraft carriers to the region last year, when it carried out strikes against Iranian nuclear sites. However, June's "Midnight Hammer" operation was essentially a one-off U.S. attack, with stealth bombers flying from the United States to strike Iranian nuclear facilities. Iran staged a very limited retaliatory strike on a U.S. base in Qatar. RISKS INCREASING

The planning underway this time is more complex, the officials said. In a sustained campaign, the US military could hit Iranian state and security facilities, not just nuclear infrastructure, one of the officials said. The official declined to provide specific detail.

## \$100K 'hit job' and up to 40 years in jail: Inside Indian national's alleged role in Pannun murder plot

## Nikhil Gupta pleaded guilty to his role in an alleged murder-for-hire plot targeting Khalistani terrorist Gurbatwant Singh Pannun on US soil. What the court records show.

CHANDIGARH. (Agency)

Indian national Nikhil Gupta will be sentenced on May 29 this year after pleading guilty in a US federal court to his role in an alleged murder-for-hire plot on American soil. The US Attorney's Office for the Southern District of New York described Gupta, also known as Nick, as an "international narcotics and weapons trafficker", accusing him of involvement in a plot to kill Khalistani separatist and designated terrorist Gurbatwant Singh Pannun. Gupta, 54, pleaded guilty to murder-for-hire, conspiracy to commit

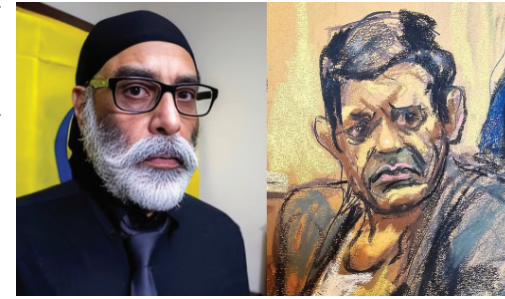
murder-for-hire and conspiracy to commit money laundering, in connection with efforts to kill Pannun in New York. He faces up to 40 years in prison across all three charges and will be sentenced by US District Judge Victor Marrero.

According to the US Department of Justice (DOJ), Gupta was recruited by Vikash Yadav, who is described in a second superseding indictment and other court documents as an employee of India's Cabinet Secretariat, which houses the country's foreign intelligence service, the Research and Analysis Wing (RAW).

In a detailed statement, the DOJ said that, according to the Second Superseding Indictment and statements made in court, "At Yadav's direction", Gupta allegedly sought to "hire a hitman to orchestrate the assassination" of Pannun on US soil.

The individuals Gupta contacted were, however, working with US law enforcement. The plot was ultimately thwarted by the Drug Enforcement Administration (DEA) and the Federal Bureau of Investigation (FBI). The

intended target is a US citizen of Indian origin who is a vocal critic of the Indian government and leads a US-based organisation advocating the secession of Punjab to establish a Sikh sovereign state



called Khalistan. India has banned the "victim" (Pannun) and his separatist organisation, the document reads.

Gupta, an Indian citizen and resident, described himself as an "international narcotics and weapons trafficker" in electronic communications with Yadav and others, according to court records. \$100,000 for the killing'

According to the DOJ, in or about May 2023, Yadav recruited Gupta to orchestrate the assassination in the United States.

"At Yadav's direction", Gupta contacted an individual he believed to be a criminal associate for assistance in hiring a hitman to kill the victim (Pannun) in New York City. The individual was, in fact, a confidential source (CS) working with the DEA. The CS introduced Gupta to a purported hitman, who was actually a DEA undercover officer (UC), it added.

Authorities say Yadav subsequently agreed, in dealings brokered by Gupta, to pay the UC \$100,000 to murder the victim and arranged a \$15,000 cash in advance on or about June 9, 2023.

In June 2023, Yadav also provided further personal information about the victim -- including the Victim's home address in New York City, phone numbers associated with the Victim, and details about the Victim's day-to-day conduct -- which Gupta forwarded to the UC, along with surveillance photographs, the court records showed.

## 'Gifts, soup from Uncle Jeffrey': Epstein ties that ended ex-Obama lawyer Ruemmler's run at Goldman

NEW YORK. (Agency)

Goldman Sachs general counsel Kathy Ruemmler has had a storied legal career. As a federal prosecutor, she helped successfully prosecute Enron executives including Ken Lay and Jeffrey Skilling. She was part of President Barack Obama's administration, working in various roles for much of his two terms in office, including as White House Counsel. She was even briefly considered by President Obama as a candidate for attorney general.

On Thursday, Ruemmler, 54, announced that she plans to resign from the top legal post at Goldman after a trove of emails and correspondence between her and disgraced financier Jeffrey Epstein showed the two individuals were especially close, years after Epstein's 2008 conviction on sex crimes charges, when he became a registered sex offender. Ruemmler previously downplayed her relationship with Epstein. She called him a "monster" and said she regretted ever knowing him. Ruemmler has repeatedly described their relationship as

professional, citing her job as a private defense attorney before she ever joined Goldman Sachs.

But documents released in recent weeks and reviewed by The Associated Press



depict a deeper relationship than had previously been characterized by Ruemmler and Goldman Sachs. These included intimate email exchanges, social plans and gifts that went beyond formal legal work. Roughly 8,400 documents involved Ruemmler or referenced her. Some correspondence shows that Ruemmler was aware of the extent of the allegations that Epstein had faced involving underage girls in Florida. In some instances, she advised Epstein on how he might go about trying to repair his image and defend

himself publicly against new claims of misconduct.

Well, I adore him'

The gifts Epstein gave to Ruemmler have been documented in news reports: the spa treatments, the handbags from Hermes, an Apple Watch, a Fendi coat, among many others. But some of the interactions between Epstein and Ruemmler described throughout their correspondence indicates that Epstein and Ruemmler did not simply have a lawyer-client transactional relationship, as Ruemmler previously attested to. "It makes him happy to see you happy," Epstein's assistant wrote to Ruemmler in 2016, after Epstein prepaid for a spa treatment for her. In October 2018, Epstein directed one of his assistants to send flowers and chicken soup to Ruemmler because she has "not been feeling well." It would not be the first time that Epstein would send her a small token of appreciation when she was sick. They talked about dating issues, made jokes about both the wealthy and everyday people, and shared laments about their careers and dating lives.

## Bangladesh EC publishes gazette of newly elected MPs, clearing path for swearing-in



DHAKA. (Agency)

Bangladesh's Election Commission has published a gazette of newly elected members of Parliament from the 13th general election, paving the way for their swearing-in, media reports said on Saturday. The gazette was published for 297 out of the 300 parliamentary

constituencies late on Friday, state-run BSS news agency reported. The notification was signed by Akhtar Ahmed, secretary of the Election Commission Secretariat. The next step is the swearing-in ceremony, which will officially seat them in Parliament, according to the bdnews24 news portal.

Parliamentary elections were held in Bangladesh on Thursday across 299 of the country's 300 constituencies, while the results from two seats were withheld. The Bangladesh Nationalist Party (BNP) bagged 209 out of 297 seats and is making a return to power after a gap of two decades. The right-wing Jamaat-e-Islami, known to be close to Pakistan, secured 68 seats.

The Awami League party of deposed prime minister Sheikh Hasina was barred from contesting the elections, which recorded 59.44 per cent voter turnout. The 13th Parliamentary elections assumed significance as they were held after a period of tumultuous political vacuum, instability and fragile security situation, including widespread attacks on minorities after the student-led protests.

## Trump says change in power in Iran 'would be best thing that could happen'

WASHINGTON. (Agency)

US President Donald Trump has said that a change in power in Iran "would be the best thing that could happen" as the US administration weighs whether to take military action against Tehran.

Trump made the comments shortly after visiting with troops in Ft. Bragg, North Carolina, and after he confirmed earlier in the day that he's deploying a second aircraft carrier group to the Mideast for potential military action against Iran. "It seems like that would be the best thing that could happen," Trump said in an exchange with reporters when asked about pressing for the ouster of the Islamic clerical rule in Iran. "For 47 years, they've been talking and talking and talking." Trump said earlier that the USS Gerald R. Ford, the world's largest aircraft carrier, is being sent from the Caribbean Sea to the Mideast to join other warships and military assets the US has built up in the region. The lanned deployment comes just days after Trump

suggested another round of talks with the Iranians was at hand. Those negotiations didn't materialise, as one of Tehran's top security officials visited Oman and Qatar this week and exchanged messages with US intermediaries.

"In case we don't make a deal, we'll need it," Trump told reporters about the second carrier. He added, "It'll be leaving very soon." Already, Gulf Arab nations have warned any attack could spiral into another regional conflict in West Asia, still reeling from the Israel-Hamas war in the Gaza Strip. Meanwhile, Iranians are beginning to hold 40-day mourning ceremonies for the thousands killed in Tehran's bloody crackdown on nationwide protests last month, adding to the internal pressure faced by the sanctions-battered Islamic Republic. The Ford, whose new deployment was first reported by The New York Times, will join the USS Abraham Lincoln and its accompanying guided-missile destroyers,

which have been in the region for over two weeks. US forces already have shot down an Iranian drone that approached the



Lincoln on the same day last week that Iran tried to stop a US-flagged ship in the Strait of Hormuz.

It is a quick turnaround for the Ford, which Trump sent from the Mediterranean Sea to the Caribbean last October as the administration built up a huge military

presence in the lead-up to the surprise raid last month that captured then-Venezuelan President Nicolás Maduro.

It also appears to be at odds with the Trump administration's national security and defence strategies, which put an emphasis on the Western Hemisphere over other parts of the world. In response to questions about the movement of the Ford, US Southern Command said US forces in Latin America will continue to "counter illicit activities and malign actors in the Western Hemisphere."

"While force posture evolves, our operational capability does not," Col. Emanuel Ortiz, spokesperson for Southern Command, said in a statement. US "forces remain fully ready to project power, defend themselves, and protect US interests in the region". The Ford strike group will bring more than 5,000 additional troops to West Asia but few capabilities or weapons that don't already exist within the Lincoln group.

## What to know about the US Homeland Security shutdown starting this weekend

NEW YORK. (Agency)

Another shutdown for parts of the federal government is expected this weekend as lawmakers debate new restrictions on US President Donald Trump's immigration enforcement agenda. Funding for the Department of Homeland Security is set to expire Saturday. Democrats say they won't help approve more funding until new restrictions are placed on federal immigration operations after the fatal shooting of Alex Pretti and Renee Good in Minneapolis last month. The White House has been negotiating with the Democrats, but the two sides failed to reach a deal by the end of the week, guaranteeing that funding for the department will lapse. Unlike the record 43-day shutdown last fall, the closures will be narrowly confined, as only agencies under the DHS umbrella — like Immigration and Customs Enforcement and Customs and Border Protection — will be affected. Still, depending on how long the shutdown lasts, some federal workers could begin to miss paychecks. Services like airport screening could also suffer if the



shutdown drags on for weeks. At the Transportation Security Administration, about 95% of employees are deemed essential. They will continue to scan passengers and their bags at the nation's commercial airports. But they will work without pay until the funding lapse is resolved, raising the possibility that workers will be calling out or taking unscheduled leave. Many TSA workers already faced financial stress last year. "Some are just now recovering from the financial impact of the 43-day shutdown" said Ha Nguyen McNeill, a senior official performing the duties of TSA administrator. "Many are still reeling from it."

## Why is a Homeland Security shutdown happening?

Essentially, it's because Trump acquiesced to Democrats' request that Homeland Security funding be stripped from a broader spending package to allow more time for negotiation over demands for changes to immigration enforcement, like a code of conduct for federal agents and a requirement that officers show identification. Homeland Security was temporarily funded only through Feb. 13. The rest of the federal government is funded through Sept. 30. That means most federal programs are unaffected by the latest shutdown, including food assistance, and pay for most federal workers and for service members will continue uninterrupted.

## NEWS BOX

## Babar Azam's formula to tackle India vs Pakistan pressure: Look straight ahead

New Delhi. (Agency)

Pakistan's star batter Babar Azam has revealed his formula for handling the pressure of facing India ahead of the T20 World Cup 2026 on Sunday, February 15. Babar will be one of the key players for Pakistan in their much-anticipated clash in Colombo as both teams aim to maintain their unbeaten start to the tournament. Babar played a crucial role in Pakistan's win over India in the 2021 edition of the T20 World Cup as they won by 10 wickets on that occasion, and spoke about how the match is a high-intensity affair. The Pakistan star noted that the expectations during the clash go to a completely different level. "Look, as we discussed, an India-Pakistan match is always high-intensity. The whole world is involved — all the fans, both countries — and like you said, it feels like the entire world is watching. It



then goes to a different level, and the expectations also rise to a completely different level," said Babar in a video released by ESPNcricinfo. The star batter, who has faced India five times in T20Is, said that it is always best to keep yourself calm and relaxed ahead of an India vs Pakistan match and shut out the outside, an advice he gives to the younger players in the squad as well. "We have played quite a few such matches, and we've learned that the calmer and more relaxed you keep yourself, and the less you listen to outside noise, the better it is. If you stay straightforward and focused, that helps a lot." "From our experience, we talk to the youngsters as well and tell them that yes, there is excitement, but the more you stay easy and tension-free, the better it will be for you," said Babar.

What is Babar's record vs India?

Babar has managed only 105 runs in five T20Is against India, averaging 26.25 with a strike rate of 128.05. After his unbeaten 68 in the 2021 T20 World Cup, the Pakistan captain has struggled for impact, recording scores of 10, 14, 0 and 13 in subsequent meetings with India.

## India will win vs Pakistan, just play safe against Usman Tariq: Harbhajan Singh

New Delhi. (Agency)

Former India spinner Harbhajan Singh has expressed full confidence that India will overcome arch-rivals Pakistan in their much-awaited T20 World Cup showdown, but he also flagged one key danger the men in blue must handle carefully. With the blockbuster clash scheduled for February 15 in Colombo, Harbhajan believes Pakistan's mystery spinner Usman Tariq could play a decisive role if India are not cautious. Speaking to ANI ahead of the marquee Group A contest, Harbhajan said India have the strength and balance to win, but warned against taking unnecessary chances against Tariq's bowling.

"India will win the match," Harbhajan said.



"Pakistan has a spinner (Usman Tariq), he is a good spinner, we have to play him safely." Harbhajan also urged Suryakumar Yadav's side to approach the game with the same calm mindset they have shown in previous India-Pakistan encounters. "The Indian team is capable; it is a very good team," he said. "We hope they play the way they have always played, play without any pressure and wave the flag of victory."

WHO IS USMAN TARIQ?

Usman Tariq has quickly become one of the most talked-about names in Pakistan's camp ahead of the India clash. Though still new to international cricket, the 28-year-old has already built a reputation as Pakistan's surprise spin card in this World Cup. Tariq has featured in only four T20 Internationals so far, but his returns have been impressive, with 11 wickets and an economy rate below six. His unique stop-and-pause action has generated plenty of discussion, with batters finding it difficult to settle into a rhythm against him.

# Dominating the Premadasa: India's T20I history in Colombo before India vs Pakistan

**T20 World Cup: USA batter Shayan Jahangir has urged the ICC to increase funding and exposure for Associate nations ahead of their must-win clash against the Netherlands in Chennai. He believes better support will help emerging teams thrive globally.**

NEW DELHI. (Agency)

After all the off-field drama and political noise that briefly threw the marquee clash into uncertainty, the most anticipated match of the T20 World Cup is finally set to go ahead as scheduled. India and Pakistan will face off in Colombo on Sunday at the R Premadasa Stadium, with the excitement around the rivalry undiminished for cricketing reasons above all else. Many would put India as the firm favourites of this clash because of their utter dominance over the fixture, and their performance in this T20 World Cup so far has

only added to that argument.

India began their campaign with a win over the United States, with Suryakumar Yadav playing a crucial innings to rescue the team from a precarious position and guide them to victory. Thereafter, India came out firing and took down Namibia by 93 runs at the Arun Jaitley Stadium in New Delhi. It also happened to be their biggest victory by margin of runs in the history of T20 World Cups. Ishan Kishan and Hardik Pandya laid the platform with half-centuries after which the spinners came to the party to restrict their opponents. Pakistan, on the other hand, looked in all sorts of trouble against the Netherlands before Faheem Ashraf's timely cameo took them past the finish line in a thrilling encounter. They followed it up with a much more clinical performance against the USA, making it two wins out of two in the tournament so far. The clash on Sunday is expected to be a high-voltage thriller. India, being on top of their game with a series of wins under their belt, will carry the momentum and have the upper hand going into the match. Their dominating record over Pakistan in international cricket over the last decade also provides them with a psychological edge.

However, going into this marquee clash, it is important to consider what India might need to do to secure a win. The Premadasa Stadium is a venue where India has played for a very long time, and the conditions are



familiar rather than alien. Here, we take a look at India's past performances at the Premadasa and the trends that have emerged at the venue, which could shape the outcome for the Indian team on Sunday.

How have India performed in Colombo?

India have enjoyed remarkable success at the R Premadasa Stadium in Colombo, establishing themselves as one of the most

dominant sides at the venue. Since 2009, they have played 15 T20I matches here, winning 11 and losing just four, underlining their consistency in Sri Lankan conditions. The T20 World Cup 2012 highlighted India's prowess, as they won four out of five games at the ground, with their sole loss coming against Australia. Notably, apart from the hosts Sri Lanka, only Australia has managed to defeat India at the Premadasa, showcasing India's stronghold and confidence when playing at this iconic Colombo stadium.

India's T20I record at RPS in Colombo

How much does India need in Colombo?

At the R Premadasa Stadium in Colombo, the advantage has often

been with teams chasing, highlighting the value of putting runs on the board. The average score in 51 T20Is at the venue is 152, with sides successfully chasing targets in 28 matches. However, in the ongoing tournament, chasing has proven tricky, as Ireland experienced twice and Australia once. The chasing teams have lost all three matches at the Premadasa in the ongoing competition.

## Abhishek Sharma's parents reach Colombo while IND vs PAK availability still uncertain

Colombo., (Agency)

India batter Abhishek Sharma's parents have landed in Colombo ahead of India's blockbuster T20 World Cup clash against Pakistan, even as the opener's availability for February 15 remains up in the air. Their arrival has added a touch of family support to the build-up, with India still waiting on the final word over Abhishek's recovery from a stomach infection. Abhishek travelled with the Indian squad on Friday, which has naturally raised hopes that he could yet make it back in time for the big one at the R Premadasa Stadium. But with only a few days left, India are in no mood to take shortcuts when it comes to his fitness. The timing has made Abhishek's situation one of the most talked-about subplots of India's World Cup campaign, especially since his tournament so far has been more stop-start than explosive.

WHAT HAPPENED TO ABHISHEK SHARMA?

Abhishek was hospitalised in Delhi earlier this week after suffering from a stomach infection, forcing him to sit out India's group-stage



fixture against Namibia. The illness came at the worst possible moment, right when the tournament was beginning to gather momentum. His only appearance at the T20 World Cup so far is also one he will want to forget quickly. In India's opener against the USA, Abhishek was dismissed for a golden duck, making his absence in the next match even more frustrating as he looked for an immediate comeback. Although he has since been discharged from hospital, the focus has been firmly on ensuring he regains full strength rather than rushing him into action prematurely.

WILL ABHISHEK SHARMA PLAY IND VS PAK?

India are still awaiting a final call on Abhishek's fitness ahead of Sunday's showdown. Captain Suryakumar Yadav had said at the toss against Namibia that the opener would be unavailable for "a game or two", leaving the Pakistan match hanging in the balance.

## U19 World Cup done, Vaibhav Sooryavanshi's next test is Class 10 board exams

NEW DELHI. (Agency)

Vaibhav Sooryavanshi barely has time to put his Under-19 World Cup medal away before life throws him into the most familiar pressure of all, board exams. Just days after scripting India's title triumph with a breathtaking final innings, the 14-year-old is now gearing up for his Class 10 examinations. Following his match-winning 175 against England in the final in Harare, which powered India to their sixth U19 World Cup crown, Sooryavanshi will soon return to a normal student routine, with exams beginning on February 17. Neel Kishore, principal of Podar International School in Samastipur, confirmed the teenager's participation and made it clear that there would be no special treatment despite his newfound stardom. "Cricketer Vaibhav Sooryavanshi will appear for the Class 10th board exams at our school. He has received his admit card," Kishore said. "There is excitement among everyone, be it teachers, students or parents, for his arrival. However, we have made arrangements

with that in mind, as he is still a student and will be appearing for his examination. This is an academic pitch, not a cricket pitch. All the facilities, safety, and security will be the



same for all. Exams will start on February 17," he added.

HOW DID VAIBHAV SOORYAVANSHI PLAY IN U19 WC?

Sooryavanshi was the headline act of the ICC Under-19 World Cup 2026, producing one of the greatest final knocks the tournament has seen. His 175 off just 80 balls against

England was a fearless assault, filled with 15 fours and 15 sixes, the most maximums ever hit in a single U19 World Cup innings. He finished the competition as the second-highest run-getter with 439 runs in seven matches at an average of 62.71 and a strike rate close to 170. With a century and three fifties, he was the driving force behind India's title run.

His six-hitting was just as staggering. Sooryavanshi smashed 30 sixes across the tournament, breaking Dewald Brevis' previous record of 18 by a huge margin, and now holds the record for the most sixes in U19 World Cup history.

HOW GREAT HAS VAIBHAV SOORYAVANSHI BEEN?

Vaibhav Sooryavanshi's rise has been nothing short of meteoric. After a breakout IPL 2025 season, which began with him becoming the youngest player ever to earn an IPL contract through a Rs 1.1 crore deal with Rajasthan Royals, the teenage batter only kept climbing. He soon made even bigger headlines by smashing an unbeaten 101 off just 38 balls against Gujarat Titans, becoming the youngest T20 centurion in history.

## Matchday Preview: South Africa, New Zealand look to strengthen Super 8 chances

NEW DELHI. (Agency)

Day 8 of the T20 World Cup promises another gripping triple-header as the fight for Super 8 qualification gathers pace. Ireland and Oman, both nursing two consecutive defeats, begin the day at the Sinhalese Sports Club in Colombo. With their campaigns on the line, the encounter shapes up as a virtual knockout, where only a win will keep their hopes alive. The action then moves to Eden Gardens in Kolkata, where England look to bounce back in a crucial Group C clash against Scotland. After scraping past Nepal and then suffering a setback against West Indies, England will be eager to rediscover rhythm and momentum at a key stage of the tournament. The day wraps up in Ahmedabad at the Narendra Modi Stadium, where New Zealand and South Africa face off in a high-stakes Group D contest that could significantly boost the winner's chances of progressing to the Super 8s. MATCH 1 Prediction: Ireland vs Oman in Colombo Ireland and Oman face off in a crucial Group B clash at the



Sinhalese Sports Club in Colombo, with both teams staring at elimination. After losing their opening two matches — Ireland to Sri Lanka and Australia, and Oman to Zimbabwe and Sri Lanka — the equation is straightforward: win or exit. With the race for the Super 8s intensifying, this fixture has effectively become a do-or-die contest. Ireland's task has been made tougher by the loss of captain Paul Stirling, who has been ruled out of the remainder of the tournament with knee ligament damage sustained against Australia. The

experienced opener's absence is a significant blow to Ireland's batting strength and leadership, particularly given his influence at the top of the order. Uncapped 20-year-old left-handed batter Sam Topping has been named as his replacement, adding youthful promise but no international experience to the squad. Historically, Ireland hold the edge in this head-to-head, winning four of their last six T20I meetings with Oman, including the last three in succession. However, Oman will draw confidence from their ability to compete with and upset stronger sides in major tournaments, and they will be eager to turn around their campaign and secure their first win. For Ireland, Stirling's absence increases the responsibility on players such as Harry Tector, Mark Adair, Lorcan Tucker and Ross Adair to step up with both bat and ball. Oman, meanwhile, will rely on experienced names like Jatinder Singh, Mohammad Nadeem and Amir Kaleem to deliver under pressure.

# Premier League: Frank sacked at Spurs as Carrick lifts United and chaos spreads

**Tottenham's decision to sack Thomas Frank has been linked to dressing-room unrest, with players reportedly frustrated by his constant praise of Arsenal. The Premier League week also saw Michael Carrick's United bounce back and injury woes deepen for Liverpool.**

CHENNAI. (Agency)

The Premier League never stays quiet for long, and this week has delivered drama on multiple fronts. Tottenham's latest managerial change has sparked fresh debate about dressing-room power, while Manchester United's interim revival under Michael Carrick is offering supporters a very different kind of storyline. Elsewhere, instability continues at Nottingham Forest, transfer rumours have been firmly batted away by Chelsea's Cole Palmer, and

Liverpool are once again counting the cost of injuries at the worst possible time. Arsenal, meanwhile, are hoping Viktor Gyokeres can rediscover his scoring touch with the help of Mikel Arteta's guidance. There is also movement in the market, with Tottenham eyeing German midfielder Felix Nmecha, Bournemouth celebrating another smart piece of recruitment in teenage Brazilian Rayan, and West Ham slowly finding hope under Nuno Espirito Santo. Even with the window shut, a list of notable free agents remains available for clubs looking to strengthen.

Spurs sack Thomas Frank

When chants of "You're getting sacked in the morning" come from your own fans, you know as a coach that your job is in serious jeopardy. The problem for Thomas Frank was that many players wanted him gone too. Several senior players held dressing-room discussions and voiced their frustration, annoyance and, in one or two cases, anger that Frank had continually

praised bitter rivals Arsenal for their performances. He often used Mikel Arteta's



tactics as an example. The level of dissatisfaction with their own coach reached senior management and eventually the owners. Players felt that instead of pointing out Arsenal's superiority, Frank should have concentrated on improving the Spurs set-up tactically. He also had both public and private disagreements with Micky van de

Ven, Djed Spence, Yves Bissouma and Mathys Tel. One player said, "We just wanted him to shut up about Arsenal!" Frank met with the club owners on Monday and left with the impression that he had their support. Two days later, after yet another embarrassing home loss, this time to Newcastle, he was shown the exit door. CEO Vinai Venkatesham was ashen-faced, as he and Frank believed Tottenham could win the match. Frank leaves with Spurs in 16th place and uncomfortably close to the relegation zone, having managed only two wins in 17 Premier League

games. Newcastle boss Eddie Howe knew he also had to win this game, or at least come away with something, as he is under immense pressure too. Howe sympathised with Frank and said the manager's job is difficult and demanding, and with Tottenham's long injury list it is not always just the manager's fault.



# Tejasswi Prakash

## Can't Stop Blushing As Raj Kundra Calls Her 'Bhabhiji'

Tejasswi Prakash and Karan Kundrra are one of the cutest couples in town. While fans can't get enough of them, even celebrities enjoy teasing the duo about each other, and a recent moment proved just that. At a sports event attended by Tejasswi, Raj Kundra, who was also at the event, couldn't resist playfully teasing her, creating a fun and lighthearted moment that had everyone smiling.

### Raj Kundra Screams 'Bhabhi' On Seeing Tejasswi Prakash

At a recent sports event, Tejasswi Prakash grabbed attention as she made a stylish appearance in a cute white floral dress. Surrounded by security, she was seen walking toward the stands, smiling as she glanced around the venue. Seated in the stands was Raj Kundra, who couldn't resist teasing her. Spotting Tejasswi, he loudly called out, "Bhabhi ji, namaste!" His playful remark made her blush and respond, "Stop, yaar!"

Not one to back down, Raj continued jokingly, "Arey, bhabhiji namaste bolunga, aur kya bolunga?" Tejasswi funnily protested again. As she walked over to greet him with a hug, Raj added another witty comment, "Kundra-Kundra toh bhabhiji hue na aap!" His joke was a playful reference to the fact that his surname and Tejasswi's boyfriend Karan Kundrra's surname are the same. By that logic, Raj teased that Tejasswi was literally his bhabhi.

Raj's antics didn't end there. As he and Tejasswi Prakash shared a warm hug, he turned toward the camera with a mischievous grin and dramatically mouthed, "Bhabhi," while pointing at the actress. The light-hearted banter left everyone around them laughing and added a fun moment to the event.

### Tejasswi Prakash Exits With Jannat Zubair, Reem Shaikh

Another video from the same event that is now going viral shows Tejasswi Prakash exiting the venue alongside Jannat Zubair and Reem Shaikh.

The three actresses were seen holding hands as they made their way out, chatting along while the paparazzi eagerly captured the moment. Their cheerful camaraderie and effortless style added yet another delightful highlight to the star-studded evening.

## Khanzaadi Has This To Say About The 50 Controversy: 'Reaction Was Shown, But...'



Khanzaadi's exit from the reality show The 50 raised many questions. She had been embroiled in controversy for her remarks on Chahat Pandey on the show before her exit. While many of her fans came to her support, Khanzaadi has now shared what actually happened on the show. She also claimed that only her reaction was shown but Chahat's actions were not as it was too indecent for national television. Khanzaadi shared a video explaining the indecent action Chahat Pandey did towards her on the show and how she linked her name with another person as well. In the caption she wrote, "Only my reaction was shown, not the provocation. Chahat Pandey's abusive words, derogatory behavior, and actions toward me were completely cut because they couldn't be aired on national TV, so the context was missing and I looked aggressive without reason."

### Khanzaadi On The 50's Impact

Speaking about the impact of the situation, she mentioned, "It affected me and that's why my reaction came from shock and discomfort, I said ye Gawar aurat hai For me, "gawar" is not about education it's about someone who goes below the belt to this level jo koi soch bhi nahi sakta, I was honestly shocked because I had never personally witnessed this kinda act in my entire life. I come from a very respectful family. My upbringing doesn't allow me to be around such woman."

### Khanzaadi's Note For Fans

Khanzaadi also sent a message to all her fans. She wrote, "My msg To all the innocent admirers. Stay aware, think for yourself, and choose wisely who you admire. Agar tum ese logo ko support karte ho toh tumme aur inme koi farq nahi. Lots of love."

In the show, tensions rose when Khanzaadi clashed with Digvijay Rathee after Chahat reminded him of her previous remarks. Khanzaadi escalated the fight by dragging Chahat into it, making disparaging remarks and using foul language. Ridhi and Karan Patel were taken aback, while Manisha Rani intervened to urge Khanzaadi to use proper language in front of senior cast members. The final blow came when Khanzaadi received zero votes and was eliminated.

## Ayesha Khan Proves Less Is More With Her Latest Red Carpet Fit



The glamour of Bollywood blended seamlessly with emerging cinema as Bolti Khidkiyaan, presented by Mukesh Chhabra Casting Company, rolled out its red carpet on February 12. The short film festival aims to spotlight new voices and creative storytelling in Indian cinema. The event witnessed an impressive celebrity turnout, adding star power to the celebration of fresh talent. Bollywood personalities such as Rajkumar Rao, Farah Khan, Sonam Bajwa, Abhishek Banerjee and Ayesha Khan were spotted at the festival, lending glamour and industry support to the occasion.

### Ayesha Khan Turns Heads With Her Gen Z Fashion

Ayesha Khan made a striking appearance at the event, confidently posing for the paparazzi. She opted for a relaxed yet trendy Gen Z-inspired outfit, pairing a muted grey long-sleeved mock-neck top with high-rise, wide-leg cargo pants. Her look was completed with a small black crossbody bag and dark open-toed heeled sandals, striking a balance between edgy and elegant.

### From Red Carpets to Live Concert Stages

Ayesha Khan's energetic presence and evolving fashion choices have been grabbing attention across public appearances. She was recently spotted at singer Jasmine Sandlas' Delhi concert, where she went beyond being a spectator.

The actor later joined Jasmine Sandlas on stage during the performance of Shararat, earning cheers from the audience.

### Ayesha Khan's Rising Popularity in Music and Films

Ayesha Khan has also been widely appreciated for her performance in the song Shararat from Dhurandhar. Sharing screen space with Krystle D'Souza, Ayesha brought infectious energy and charm to the track, which has resonated strongly with viewers. She was last seen in Kis Kisko Pyaar Karoon 2, starring Kapil Sharma. Directed by Anukalp Goswami, the film also features Manjot Singh, Hira Warina, Tridha Choudhary and Parul Gulati.

### Bolti Khidkiyaan: A Platform for New Filmmaking Talent

Bolti Khidkiyaan is dedicated to discovering and nurturing emerging filmmakers. The festival offers selected creators opportunities for film financing, professional mentorship, and curated screenings. The top five short films receive direct guidance from renowned casting director Mukesh Chhabra, along with mentorship from leading Bollywood directors, providing young talent with a strong industry launchpad.

# Rashmika Mandanna

## Cheers For Shahid Kapoor's O Romeo, Says 'I Know How Hard You Have Worked For This'

Rashmika Mandanna has extended her warm wishes to Shahid Kapoor as his film O Romeo releases today. Her heartfelt message has quickly caught fans' attention online. The actress took to social media to praise Shahid's intense look from the film and applaud his dedication to the project. Taking to her Instagram stories, Rashmika Mandanna shared the poster and wrote, "Shahid, O Romeo is looking good!! I know how hard you have worked for this one and wishing you all the best



for the release!!" Ishaan Khatter have also praised the film.

### Mira Rajput Calls Her 'Romeo' Shahid Kapoor Best

Mira Rajput recently took to social media to shower love on her husband Shahid Kapoor and O Romeo team. She shared a heartfelt note that quickly caught the attention of fans. She referred to Shahid as her "Romeo" and praised his dedication. O Romeo, also starring Triptii Dimri, has released today in theatres. Taking to her Instagram stories, Mira Rajput shared a sweet note and congratulated the team. "TEAM O'ROMEO You'll created a world and a whirl.@vishalrbhardwaj you are a genius of finesse. And I will always cherish the times we

laughed and laughed. To catch your tropes is like playing a thrilling game while relishing this new world. That BGM @triptii\_dimri ferocity with innocence. I almost typed Afshan, you became her. A woman of power, who doesn't wield it heavily @iamnnapatekar looks can kill @tamannaahspeaks E T H E R E A L @nadiadwalagrandson @avinashthiwarly15 @hussain.dalal @dishapatani And their entire cast & crew of O'Romeo: Ta Tha Thaiya! @shahidkapoor My Romeo, your best yet. Not a beat that missed," read the note.

### Shahid Talks About His Character Ustraa

Shahid described his character, Ustraa, as "dark yet soft and can also be very funny. He's a complete laundiya baaz, yet falls in love to a degree that he loses himself." Unlike his intense roles in Haider or Kabir Singh, Ustraa combines humour, romance and gangster-like bravado, even fearing his grandmother, played by Farida Jalal. The actor admitted the toughest part of filming was physical: "The toughest real estate in this film was actually my body! It was covered in tattoos; it would take.

